RNI.No. — GUJHIN/2012/45192




# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम



स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 53 ता. 19 अगस्त 2024, सेमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

## कोई भी 35 साल तक बीजेपी को सत्ता से नहीं हटा सकता है: अमित शाह

**-पार्टी की विचारधारा को देश के कोने-कोने तक ले जाने का आह्वान**



**नई दिल्ली (एजेंसी )**। दिल्ली में बीजेपी के पदाधिकारियों की बैठक में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी पहुंचे थे। बैठक के बाद अमित शाह ने कहा कि बीजेपी अभी 35 साल और सत्ता में रहेगी। कोई भी 35 साल तक बीजेपी को सत्ता से नहीं हटा सकता है। शाह ने कहा कि बीजेपी की जड़ें मजबूत हैं, संगठन मजबूत हैं। बीजेपी जहां सत्ता में है। वहां से जाती नहीं। उन्होंने कहा कांग्रेस जहां जाती है फिर वहां आती नहीं।

बता दें कि चुनाव आयोग ने शुक्रवार को हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी है। चुनाव की घोषणा के बाद बीजेपी में बैठकों का दौर शुरु हो गया है। शाह ने भविष्य में मजबूत चुनावी संभावनाओं का भरोसा जताते हुए पार्टी नेताओं से पार्टी की विचारधारा को देश के कोने-कोने तक ले जाने का आह्वान किया।

सूत्रों के मुताबिक अमित शाह ने कहा कि लोगों ने बार-बार राज्यों और केंद्र में बीजेपी सरकारों में अपना भरोसा जताया है और कांग्रेस को नकारा है। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक कहा कि पार्टी का लक्ष्य इस अभियान में 10 करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाने का है जिसमें वह राज्य शामिल नहीं होंगे जहां आने वाले महीनों में चुनाव होना हैं। आधे राज्यों में अभियान खत्म होने के बाद पार्टी को नए अध्यक्ष का चुनाव होने की उम्मीद है। शनिवार को हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन से जुड़े प्रमुख नेताओं और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। गृहमंत्री शाह ने अपने संबोधन में कहा बीजेपी एक कार्यकर्ता-आधारित पार्टी है जो एक मजबूत विचारधारा से प्रेरित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विस्तार के लिए इसकी निरंतर कड़ी मेहनत ने इसे 1984 में जीती गई केवल दो लोकसभा सीटों से राष्ट्रीय राजनीति में वर्तमान में प्रमुख स्थान पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि सत्ता बरकरार रखने में कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड खराब है और उसके विपरीत केंद्र और राज्यों में बीजेपी सरकार फिर चुन कर आती है। सूत्रों के मुताबिक शाह ने कहा कि कांग्रेस अब कई राज्यों में एक गंभीर राजनीतिक ताकत के रूप में मौजूद नहीं है। पात्रा ने कहा कि नए सदस्य चार तरीकों-जल्द ही घोषित होने वाले मोबाइल नंबर पर कॉल करने, क्यूआर कोड स्कैन करने, नमो ऐप और बीजेपी की वेबसाइट के जरिए बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि, दूरदराज के इलाकों में पार्टी नए सदस्यों को नामांकित करने के लिए पारंपरिक कागजी पद्धति का उपयोग करेगी।

## पड़ोसी देश में पहुंचा मंकीपॉक्स, मुंबई एयरपोर्ट पर ही हो जांच : चव्हाण

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने मंकीपॉक्स मामलों पर चिंता जताते हुए सीएम एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर मुंबई एयरपोर्ट पर सख्त परीक्षण और अलग रखने के नियमों को लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात घोषित कर दिया है और यह वायरस अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान तक पहुंच गया है। उन्होंने सरकार से भारत में इसको रोकने के लिए उचित कदम उठाने की अपील की है। चव्हाण ने एक्स पर लिखा-मंकीपॉक्स हमारे पड़ोस तक पहुंच गया है। हमें कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कहा कि सीएम शिंदेजी को पत्र लिखकर ऐसे देशों से आने वाले सभी यात्रियों के लिए मुंबई एयरपोर्ट पर सख्त परीक्षण और अगल रखने के नियमों को लागू करने की मांग की है, जहां मंकीपॉक्स संक्रमण का ज्यादा खतरा है। उन्होंने चेताया कि इस समस्या के संबंध में समय पर कार्रवाई जरुरी है क्योंकि किसी भी तरह की देरी होने पर इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

## आगरा में भी कोलकाता जैसी घटना होने से बची, महिला कर्मचारी के फाड़े कपड़े

आगरा। कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई घटना का मामला अभी थमा भी नहीं है कि यूपी के आगरा से एक और हैरान करने वाली घटना सामने आई है जिसे सुनकर लोग परेशान हो गए। आगरा के जिला अस्पताल में एक स्टाफ नर्स और महिला कर्मचारी के साथ मरीज के रिश्तेदारों और अटेंडेंट्स ने छेड़छाड़ और मारपीट की, यहां तक कि महिला कर्मचारी के कपड़े तक फाड़ दिए गए और उसे खींचकर ले जाने का प्रयास किया। घटना उस समय हुई जब मरीज के रिश्तेदारों और अटेंडेंट्स ने नर्स और महिला कर्मचारी को पकड़ लिया। पहले उन्होंने नर्स के साथ बदसलूकी की और फिर महिला कर्मचारी पर हमला कर दिया। पीड़िता ने जब अपनी जान बचाने के लिए चिल्लाया, तो बाकी स्टाफ मौके पर पहुंच गया। इसके बाद नर्स और महिला स्टाफ को बचाया जा सका। पीड़ित की शिकायत के पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना की जानकारी लगते ही अस्पताल में हंगामा मच गया और स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। हालांकि, उन्होंने बाद में अपनी हड़ताल वापस ले ली। पीड़ित महिला कर्मचारी ने इस घटना के बारे में बताया कि मरीज के अटेंडेंट्स ने उनके कपड़े फाड़ दिए और उन्हें खींचने की कोशिश की गई। यह घटना महिला सर्जिकल वार्ड में रात 11 बजे के करीब हुई। जब अटेंडेंट्स को बाहर जाने के लिए कहा गया, तो उन्होंने विरोध किया और हंगामा कर दिया। इसके बाद उन्होंने जिला अस्पताल की महिला कर्मचारियों पर हमला किया। पहली बार हंगामा और मारपीट के बाद, उन्होंने फिर से अपने साथियों के साथ वापस आकर महिला कर्मचारियों पर हमला किया, उनके कपड़े फाड़ दिए और खींचने की कोशिश की। इस घटना ने स्वास्थ्य कर्मचारियों में आक्रोश है उनका कहना है कि अगर समय पर अन्य स्टाफ नहीं पहुंचता तो आगरा जिला अस्पताल में भी कोलकाता जैसी घटना हो सकती थी।

## राजस्थान के कई अस्पतालों को ई मेल के जरिये मिली बम की धमकी

जयपुर। जयपुर के कई अस्पतालों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। पुलिस ने यह जानकारी दी। ईमेल भेजने वाले ने दावा किया है कि अस्पताल के बिस्तरों के नीचे और स्नानागार में बम रखे गए हैं। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''अभी तक चार अस्पतालों ने इस तरह का ईमेल मिलने की पुष्टि की है।'' उन्होंने कहा कि और भी कई अस्पतालों को इस प्रकार का ईमेल मिलने की आशंका है और अन्य अस्पताल ईमेल देखने के बाद इस बात की पुष्टि करेंगे। जोसेफ ने कहा कि इससे पहले जयपुर हवाई अड्डे और विद्यालयों में भी बम होने की इस तरह की धमकियां मिली थीं। अस्पतालों को मिले ई-मेल में लिखा है, मैंने अस्पताल की इमारत में बम रखा है। बम अस्पताल के बिस्तरों के नीचे और स्नानागारों के अंदर छिपाए गए हैं। अस्पताल के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा या उसके अंग कट जाएंगे। आप में से कोई भी बच नहीं पाएगा। ईमेल में लिखा है, आप खून से लथपथ हो जाएंगे। आप सभी केवल मौत के हकदार हैं। इस नरसंहार के पीछे आतंकवादी 'चिंग और कल्टिस्ट' का हाथ है।'' पुलिस मामले की जांच कर रही है और स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

## तालाब में पानी लेने गईं चार चचेरी बहनों की डूबने से मौत

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले के नोखा थाना क्षेत्र में एक तालाब में डूबने से चार चचेरी बहनों की मौत हो गई। ये चारों ही तालाब से पानी लेने गईं थीं। पुलिस ने उक्त घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बिहारी निवासी चार चचेरी बहनें जिनमें सोनम साहनी (08वर्ष), शिवानी साहनी (12वर्ष), मुस्कान साहनी (12वर्ष), चांदनी साहनी (9वर्ष) राणाराव तालाब में पानी लेने के लिए गईं थीं, जहां डूबने से उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तालाब में पानी भरते समय ही एक बहन का पैर फिसल गया था और वह डूबने लगी, उसे बचाने की कोशिश में तीन और बहनें भी तालाब में डूब गईं। इस दर्दनाक घटना के बाद क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने चारों चचेरी बहनों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच शुरु कर दी है।

## बांग्लादेश सीमा पर सोने के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ ने 1.1 किलो सोने के साथ तीन तस्करों को पकड़ा है। बीएसएफ के साउथ बंगाल फंटियर के डीआईजी ने कहा कि सीमा पर बाड़ के पार खेत से लौट रहे एक ट्रैक्टर ट्रॉली के एक्सल पर सोने के दो बिस्कुट टेप से चिपके मिले जिसकी कीमत करीब 75.14 लाख रुपए है। डीआईजी ने कहा कि कंपनी कमांडर ने एक विशेष गश्ती दल भेजा और सभी जवानों को सतर्क कर दिया। एक ट्रैक्टर जिसमें एक ट्रॉली लगी हुई थी, खेत से बाड़ के गेट को पार कर रहा था। उन्होंने ट्रॉली के पहिये के दाहिने एक्सेल हब पर टेप से सोने के दो बिस्कुट चिपके हुए थे। बीएसएफ ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर और ट्रॉली का मालिक चालक मुर्शिदाबाद के रानीनगर थाना क्षेत्र के कटलामारी गांव का निवासी है। तीनों को बीओपी ले जाया गया। उन्होंने कहा कि पूछताछ में मुख्य आरोपी ने जुर्म कबूल किया कि वह शुरू से ही तस्करी की कोशिश में शामिल था। उन्होंने कहा कि बीएसएफ जवानों को धोखा देने के लिए उसने अपने ट्रैक्टर को बाड़ के पार ले जाकर कहा कि वह अपनी फसलों की देखभाल करना चाहता है। जीरो लाइन के पास, उसने बांग्लादेशी तस्करों से सोना इकट्ठा किया और उसे ट्रॉली के नीचे छिपा दिया। इसके बाद वह बाड़ को पार करके बॉर्डर पर चला गया। इस दौरान उसे रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी को उसके दो साथियों और सोने के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बेहरामपुर में सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया है।

## झारखंड में हेमंत सरकार को तोड़ने का किया जा रहा प्रयास : राउत

नागपुर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और जेएमएम नेता चंपई सोरेन के बीजेपी में जाने की अटकलों पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि बीजेपी अब झारखंड सरकार को तोड़ने का प्रयास कर रही है। संजय राउत ने सवाल किया कि झारखंड में क्या हो रहा है? फिर बोले, हेमंत सोरेन को तकलीफ देने के लिए फिर वहां कोशिश की जा रही है। हेमंत की वहां मजबूत सरकार है, लेकिन उसमें से कुछ लोगों को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अगर चुनाव घोषित कर देते तो मॉडल कोर्ड ऑफ कंडक्ट लागू हो जाता। राउत ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र में जो त्रिकुट बैठा है, उन्हें यहां खेला करने और सरकारी तिजोरी खाली करने के लिए और समय चाहिए। इसलिए चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं किया गया। आप वन नेशन और वन इलेक्शन की बात करते हैं, लेकिन चार राज्यों में चुनाव की तारीखों का एक साथ ऐलान नहीं कर सकते। बता दें कि झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। चंपई सोरेन के साथ जेएमएम के कुछ विधायक भी हैं। वह रविवार को दिल्ली बीजेपी ऑफिस में पार्टी में शामिल हो सकते हैं। ईडी द्वारा पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद चंपई सोरेन दो फरवरी 2024 से तीन जुलाई 2024 तक झारखंड के 7वें सीएम के रूप में कार्य कर चुके हैं।



## विहिप नेता पर शांति भंग करने और धमकाने का मामला दर्ज

**-बीफ बेचने का आरोप लगा होटल में जबरन घुसा और धमकाया**

**श्रीनगर (एजेंसी)**। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डोडा जिले में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता के खिलाफ शांति भंग करने और धमकाने का मामला दर्ज किया है। विहिप नेता अनिरुद्ध भाऊ पर होटल में जबरन घुसने और बीफ बेचने का आरोप लगाते हुए हंगामा करने व मुसलमानों को धमकाने और शांति भंग करने का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस ने बताया कि विहिप नेता की पहचान अनिरुद्ध भाऊ के तौर पर हुई है, जो डोडा के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी का एक कर्मचारी है। इस घटना के बाद गिरफ्तार किए गए आरोपी को निजी जमानत पर रिहा कर दिया गया है। इस मामले से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट ने इस मामले को अलग ही रंग दिया और बताया कि विहिप के जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने इस पूरे मामले को झूठा करार दिया है और गोमांस बिक्री में शामिल माफिया के द्वारा भीड़ इकठ्ठा कर स्थानीय पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने के लिए दबाव बनाया गया है।

इस संबंध में डोडा निवासियों का कहना है कि वीएचपी नेता अपने कुछ साथियों के साथ 15 अगस्त की रात को शहर के भारत रोड पर एक वाहन से आए थे और वहां खाने-पीने की दुकानों की जांच करने लगे। उन्होंने मोमोज बेचने वाली एक दुकान पर मौजूद दुकानदार से पूछा कि क्या वह मोमोज में गोमांस का इस्तेमाल कर रहा। इस पर स्थानीय रहवासियों ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है, चिकन का इस्तेमाल होता है। इसके बाद वह दूसरी दुकानों में जाकर ऐसा ही करने लगे, एक बरकत अली नामक की बेकरी में वो घुस गए और जबरन आरोप लगाने लगे कि वह गोमांस बेच रहा। दुकान के मालिक और कुछ ग्राहकों ने इससे मना किया तो वो हंगामा करने लगे। उनके व्यवहार और बेकरी में जबरन घुसने का वहां मौजूद लोगों ने विरोध किया तो भाऊ और उसके साथियों ने बहस करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मामला बढ़ता देख स्थानीय लोग भी एकत्र हो गए, जिसे देख भाऊ और उसके साथी अपना वाहन छोड़ भाग खड़े हुए।

इस घटना से घबराए लोगों ने पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए वाहन को जब्त कर लिया। सूत्रों की मानें तो पुलिस ने भाऊ को हिरासत में ले लिया और उसके बाद डोडा पुलिस स्टेशन के एसएचओ ने निजी जमानत पर उसे रिहा भी कर दिया।

## दर्द देने वाले, दवा देने का दावा न करें, युवाओं ने लड़कर पाया इंसाफ: अखिलेश

**-सहायक शिक्षकों की भर्ती पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद सियासत शुरू**

**लखनऊ (एजेंसी)**। 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद सियासत शुरू हो गई है। हाईकोर्ट के फैसले का यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भर्ती में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फ़ैसला सामाजिक न्याय की दिशा में एक अच्छा कदम है। यह उन पिछड़ा व दलित वर्ग के पात्रों की जीत है जिन्होंने अपने अधिकार के लिए संघर्ष किया। उनके इस बयान के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने केशव पर तंज कसा।

अखिलेश ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि दर्द देने वाले, दवा देने का दावा न करें। 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में यूपी के एक 'कृपा-प्राप्त उप मुख्यमंत्री जी' का बयान भी साज़िशाना है। पहले तो आरक्षण की हक़मारी में खुद भी सरकार के साथ खड़े रहे और जब युवाओं ने उनके खिलाफ लड़कर, लंबे संघर्ष के बाद इंसाफ़ पाया है तो अपने को हमदर्द साबित करने के लिए आगे आकर खड़े हो गए हैं।

उन्होंने लिखा कि दरअसल ये 'कृपा-प्राप्त उप मुख्यमंत्री जी' शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के साथ नहीं हैं, वह तो ऐसा करके बीजेपी के अंदर अपनी राजनीतिक गोटी खेल रहे हैं। वह इस मामले में अप्रत्यक्ष रूप से जिनके ऊपर उंगली उठा रहे हैं, वह 'माननीय' भी अंदरूनी राजनीति के इस खेल को समझ रहे हैं। शिक्षा और युवाओं को बीजेपी अपनी अंदरुनी लड़ाई और नकारात्मक राजनीति से दूर ही रखे क्योंकि बीजेपी की सत्ता लोलुप सियासत से यूपी कई साल पीछे चला गया है।

बता दें कि यूपी में 69 हजार सहायक शिक्षक अभ्यर्थियों की बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई चयनित अभ्यर्थियों की सूची को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ डबल बेंच ने रद्द करते हुए नए सिरे से चयन सूची बनाने का आदेश दिया है।

## 23 अगस्त को राजनाथ सिंह जाएंगे अमेरिका, द्विपक्षीय रणनीतिक-सैन्य संबंधों पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अगस्त को अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे। राजनाथ की यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की हालिया रूस यात्रा के बाद हो रही है। सूत्रों ने बताया कि सिंह 23 अगस्त को अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के साथ होने वाली प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत में पहले से ही मजबूत द्विपक्षीय रणनीतिक-सैन्य संबंधों को और बढ़ाने के लिए कई उपायों पर चर्चा करेंगे। इसमें भारत-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग में तेजी लाना शामिल है। इतना ही नहीं अमेरिकी उप विदेश मंत्री रिचर्ड वर्मा भी भारत के दौरे पर आ रहे हैं। बांग्लादेश में अस्थिरता के बीच दोनों देशों के बीच यह यात्रा काफी अहम मानी जा रही है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के वाशिंगटन दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच रणनीतिक और सैन्य संबंधों को मजबूत करना और तेजस विमानों के लिए अमेरिकी जेट इंजन की सप्लाई में हो रही देरी को दूर करना है। मुख्य बातचीत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग, संयुक्त सैन्य अभ्यास, और तकनीकी सहयोग तथा संयुक्त उत्पादन समझौतों को पूरा करने पर केंद्रित रही। इनमें से कुछ प्रमुख समझौते आर्मड एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदना और जीई-एफ414 जेट इंजन का संयुक्त उत्पादन शुरू करना शामिल हैं। भारत जल्द ही बंगाल की खाड़ी में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ प्रमुख नौसैनिक अभ्यास, मालाबार, की मेजबानी करने जा रहा है। यह सब दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता और हिंद महासागर क्षेत्र में उसके बढ़ते दखल के बीच हो रहा है।

## बिहार में पुल गिरने से भड़के सांसद पप्पू यादव बोले-कंपनी के लोगों को फांसी पर चढ़ा दो

**नवगछिया (एजेंसी )**। बिहार के सुल्तानगंज-अगुवानी घाट को जोड़ने वाले निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा फिर गिर गया। गंगा नदी पर बन रहा यह पुल तीसरी बार गिरा है जिसके बाद बिहार में पुलों को लेकर राजनीति तेज हो गई है। अब पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने इस मामले में कंस्ट्रक्शन कंपनी के लोगों को फांसी देने की मांग तक कर दी। बता दें कि यह पुल करीब दो हजार करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है।

पप्पू यादव ने बिहार सरकार और पुल का निर्माण कर रहे कंपनी एसपी सिंगला पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एसपी सिंगला कंपनी के लोगों को फांसी पर चढ़ा देना चाहिए। कंपनी के मालिक ने खूब लूटा है। पुल गिरने से नाराज पप्पू यादव ने कहा कि इस कंपनी ने इतना लूटा है कि पटना में सारे पुल एक-एक कर गिर रहे हैं। इसके बाद इन लोगों ने अलग-अलग कंपनी बनाकर एसपी सिंगला कंपनी को टेंडर दिया है। यादव ने कहा कि पुल निगम के सेक्रेटरी और मंत्री ने इसमें बदमाशी की है। पुल निगम सेक्रेटरी ने सबसे ज्यादा चोरी की है। 20 साल में जितने भी पुल निगम के सेक्रेटरी हैं, पीडब्ल्यूडी के सेक्रेटरी है, आरडब्ल्यूडी के सेक्रेटरी हैं उसके खिलाफ जांच होनी चाहिए और उसको जेल भेजा जाना चाहिए।

सांसद यादव ने कहा कि मैं वादा करता हूं एसपी सिंगला कंपनी के खिलाफ मैं लोकसभा नहीं चलने दूंगा और कंपनी के खिलाफ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक जाऊंगा। पप्पू यादव ने बिहार सरकार से मांग की है कि पुल बनाने वाली कंपनी को राज्य में मिले सारे टेंडर निरस्त किए जाने चाहिए और कंपनी के खिलाफ ईडी से जांच करानी चाहिए।

## 'महायुति' सरकार को सुप्रिया सुले ने बताया स्वार्थी, कहा- भाई-बहन के रिश्ते को पैसे के चश्मे से देखती है

**धुले। (एजेंसी )**। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने लाडकी बहिन योजना को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधते हुए रविवार को सरकार पर 'बेहद स्वार्थी' होने और भाई-बहन के रिश्ते को 'धन के चश्मे' से देखने का आरोप लगाया। धुले जिले में पार्टी की एक रैली को संबोधित करते हुए सुले ने दावा किया कि राज्य में महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' शुरू की गई है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ 'महायुति' को झटका लगा है।



'महायुति' में शिवसेना, भाजपा और राकांपा शामिल हैं। कांग्रेस, राकांपा (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) के महा विकास आघाडी (एमवीए) ने इस साल की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट में से 30 पर जीत हासिल करके 'महायुति' गठबंधन को करारी शिकस्त दी थी। भाजपा ने 2019 में 23 सीट जीती थीं, जिनमें से 14 सीट पर उसे हार मिली है। उन्होंने कहा कि अगर यह पैसा 'आशा' (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं) को दिया जाता तो इससे उनका अगले दस साल तक जीवनयापन हो सकता था।

सुले ने कहा, 'महिलाओं ने मुझे बताया कि लाडकी बहिन योजना से ज्यादा वे सोयाबीन और कपास के लिए अच्छा एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य), बेरोजगारों के लिए रोजगार और मुद्रास्फीति पर रोक चाहती हैं। एक आशा कर्मी ने कहा कि उनके लिए घोषित वेतन वृद्धि के लिए जीआर (सरकारी प्रस्ताव) अभी तक जारी नहीं किया गया है।÷ राकांपा (एसपी) की लोकसभा सदस्य ने कहा कि राज्य सरकार समझ नहीं पाई है कि महिलाएं क्या चाहती हैं। सुले ने आरोप लगाया, 'यह एक बेहद स्वार्थी सरकार है। यह भाई-बहन के रिश्ते को पैसे के चश्मे से देखती है।

# गौडीय सम्प्रदाय के षट गोस्वामियों में सर्वप्रमुख थे श्रीपाद रूप गोस्वामी महाराज : स्वामी मधुसूदन महाराज





(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

**वृन्दावन।** सेवाकुंज गली स्थित श्रीकृष्ण बलराम मन्दिर में श्रावण मास के उपलक्ष्य में चल रहे पंच दिवसीय दिव्य व भव्य झूलनोत्सव के अंतर्गत गौडीय सम्प्रदायाचार्य श्रीपाद रूप गोस्वामी महाराज का तिरोभाव महोत्सव संतों व विद्वानों की सन्निधि में अत्यंत श्रद्धा व धूमधाम के साथ मनाया गया। महोत्सव का शुभारंभ श्रीपाद रूप गोस्वामी के चित्रपट का पूजन-अर्चन व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात उनके द्वारा रचित पदों का गायन संगीत की मृदुल सवर लहरियों के मध्य किया गया। इस अवसर पर आयोजित संत-विद्वत सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीकृष्ण बलराम मन्दिर के सेवायत भक्ति वेदांत स्वामी मधुसूदन महाराज ने कहा कि श्रीपाद रूप गोस्वामी महाराज गौडीय सम्प्रदाय के षट गोस्वामियों में सर्वप्रमुख थे।कलयुग पावनावतार चैतन्य महाप्रभु से प्रेरित होकर उन्होंने अपना मंत्री पद का त्याग कर अपना समूचा जीवन ब्रज में रह कर श्रीकृष्ण भक्ति में समर्पित कर दिया। चतुःसंप्रदाय के श्रीमहंत बाबा फूलडोल बिहारीदास महाराज एवं स्वामी श्रीपाद प्रियानंदवन महाराज ने कहा कि श्रीपाद रूप गोस्वामी महाराज ब्रज रस भक्ति के परम उपासक थे।उन्होंने अत्यंत साधनामय जीवन जीकर और असंख्य व्यक्तियों का कल्याण कर उन्हें कृष्ण भक्ति की ओर अग्रसर किया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं प्रमुख समाजसेवी पंडित बिहारी लाल वशिष्ठ ने कहा कि श्रीपाद रूप गोस्वामी गौडीय सम्प्रदाय की बहुमूल्य निधि थे।उनके द्वारा रचित 17 ग्रंथ भक्ति सिद्धांतों से ओत-प्रोत हैं।जिनमें उज्ज्वलि नीलमणि,भक्ति रसामृत सिंधु,विदग्ध माधव नाटक, ललित माधव नाटक, हंसदूत व उद्धव संदेश आदि प्रमुख हैं। भक्ति वेदांत दामोदर महाराज एवं आचार्य ध्रुव कुमार गोस्वामी महाराज ने कहा कि श्रीपाद रूप गोस्वामी ने तमाम वैष्णवों को ब्रज की विशुद्ध प्रेमा भक्ति व रागानुगा भक्ति की ओर प्रेरित कर उन्हें सन्मार्ग पर चलना सिखाया। तिरोभाव महोत्सव में संतप्रवर भक्ति वेदांत गोपानंद वन महाराज, भक्ति वेदांत साधु महाराज, ब्रजवासी जगद्गुरु कृष्ण कन्हैया पदरेणु महाराज, आचार्य श्याम बिहारी चतुर्वेदी, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा,आचार्य ईश्वर चंद्र रावत, महंत लाड़िली दास महाराज, विष्णुकांत भारद्वाज (ब्रजवासी भैया) आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।संचालन व धन्यवाद ज्ञापन भक्ति वेदांत मधुसूदन महाराज ने किया।

## सैंडल-चप्पल लेकर सड़कों पर उतरीं महिलाएं

**आगरा ।** कोलकाता में डॉक्टर के साथ हुई घटना के विरोध में रविवार को आगरा में सशक्त पीली सेना की कार्यकताओं ने सैंडल मार्च निकाला। महिलाएं सैंडल और चप्पल लेकर सड़कों पर उतरीं। इस दौरान उनके हाथ में बेलन, चिमटा भी था। महिलाओं ने कहा- कि पूरे देश में रेप, हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं। मगर, हत्यारे खुले आम घूम रहे हैं। पीली सेना इस मार्च के जरिए संदेश देना चाहती है कि महिलाओं को कमजोर न समझा जाए। आगरा में रविवार दोपहर को पीली सेना की अध्यक्ष शबाना खंडेलवाल के नेतृत्व में महिलाओं ने एमजी रोड पर विरोध प्रदर्शन किया। महिलाएं हाथ में सैंडिल, बेलन, चिमटा लेकर मार्च निकाला। महिला सेना अध्यक्ष शबाना खंडेलवाल का कहना था कि कोलकाता में जिस तरह से महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या की गई, वो काफी दुखद है। उन्होंने आगे कहा- ये केवल कोलकाता में नहीं हुआ, बल्कि देश के कई राज्यों में इस तरह की घटनाएं हुई हैं। आगरा में मस्जिद के अंदर महिला की हत्या का आरोपी अभी तक नहीं पकड़ा गया। आखिर इन बेटियों को इंसाफ कब मिलेगा। उन्होंने कहाकि जब जब घटनाएं होती हैं, तब तब लोग श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडिल मार्च निकालते हैं। हम इस प्रदर्शन के जरिए ये बताना चाहते हैं कि महिलाओं को कमजोर न समझा जाए। आखिर किस सरकार में बेटियां सुरक्षित महसूस करेंगी। हमारी मांग है कि बेटियों के साथ दरिंदगी करने वालों को हमारे हवाले किया जाए। अगर प्रशासन उन्हें सजा देने में फेल तो हम उन्हें सजा देंगे। महिलाएं चूड़ियां पहनती है, इसका मतलब ये नहीं कि वो कमजोर हैं। महिलाएं झांसी की रानी हैं, मां दुर्गा का रूप हैं। अगर वो दरिंदे हमारे हाथ लग गए तो सारी महिलाएं मिलकर उनको सजा देंगी। दरिंदों को केवल फांसी की सजा दी जाए, यही मांग है।

## एक करोड रुपए लूट की योजना बनाते बदमाशों से मगोर्रा पुलिस/एसओजी टीम की मुठभेड़ में तीन बदमाश गोली लगने से घायल- चौथे ने किया सरेंडर



**मथुरा।** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडे के निर्देशन में थाना मगोर्रा पुलिस व एसओजी टीम की संयुक्त कार्यवाही में अंतराजजीय 4 बदमाशों के साथ मुठभेड़ में तीन बदमाशों गोली लगने से हुए घायल। जबकि चौथे बदमाश ने किया सरेंडर, ये बदमाश मध्य प्रदेश में एक करोड रुपए की लूट करने की योजना बना रहे थे। मगोर्रा पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात मुखबिर की सूचना मिली की सोख से गोवर्धन के मध्य नहर की पटरी पर अंतराजजीय बदमाश मध्य प्रदेश में 1 करोड रुपए लूट की योजना बना रहे हैं। सूचना पर थाना माहोरा पुलिस व एसोसिएट टीम ने नाकाबंदी कर दी जब इस बात की भनक बदमाशों को लगी और पुलिस को अपनी ओर आते देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग करना शुरू कर दिया। वहीं पुलिस की जवाबी फायरिंग में तीन बदमाश गोली लगने से घायल हो गई। जबकि चौथे बदमाश में सरेंडर कर दिया।

## दिव्यांग महिला की गला काट कर हत्या हाइवे के किनारे खेत में मिला शव




**एत्मादपुर।** आगरा के एत्मादपुर कुबेरपुर क्षेत्र में हाइवे के किनारे एक ढाबे के पीछे खाली प्लाट में एक अज्ञात विवाहिता का शव मिलने से हड़कंप मच गया। महिला की गला काट कर हत्या की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं महिला की शिनाख्त के लिए पुलिस प्रयास में लगी हुई है। इंस्पेक्टर विजय विक्रम सिंह ने बताया कि शनिवार देर रात कुबेरपुर में ढाबे के पीछे एक खाली प्लाट में 32 साल की अज्ञात महिला का शव मिला। जिसकी गला काट कर हत्या की गई है। महिला हरे रंग की साड़ी पहने हुए थी। बाएं हाथ और पैर से दिव्यांग है। तथा दाहिने हाथ पर एमकेएच गुदा हुआ था।कुबेरपुर चौराहे के राहगीरों और अन्य ग्रामीणों का कहना है कि महिला को दिन में चौराहे पर बच्चे के साथ देखा गया था। उन्हें अशंका है उसका रेप कर हत्या की गई होगी। वहीं इंस्पेक्टर विजय विक्रम सिंह ने बताया गला धारदार हथियार से काटा गया होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मालूम पड़ेगा। दुष्कर्म की आशंका जिस तरह से शव के आस-पास की स्थिति थी, उससे प्रतीत होता है कि महिला के साथ हत्या से पहले दुष्कर्म किया गया होगा। थाना प्रभारी का कहना है कि पीएम रिपार्ट के बाद ही स्थिति साफ होगी।

## जेडी को रिश्वत देने से पहले मिठाई खिलाई:विजिलेंस की कार्रवाई पर शिक्षकों में आक्रोश



**आगरा।** में माध्यमिक शिक्षा विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर आरपी शर्मा को विजिलेंस ने रिश्वत लेते पकड़ा है। आरोप है कि फर्जी नियुक्ति की शिकायत के मामले में रिपोर्ट लगाने के एवज में 10 लाख रुपए की मांग की थी। विजिलेंस ने शाम को कार्यालय के बाहर गाड़ी में रिश्वत लेते पकड़ने की बात कही है। वहीं, जेडी की गिरफ्तारी के बाद शिक्षा विभाग के कर्मचारी और शिक्षकों में आक्रोश है। उनका कहना है कि साजिश के तहत अधिकारी को फंसाया गया है। निष्पक्ष जांच की मांग की है। पहले बताते हैं क्या है मामला विजिलेंस प्रभारी ने बताया कि सिकंदरा आवास विकास कॉलोनी निवासी अजय चौधरी डीसी वैदिक इंटर कॉलेज में सहायक अध्यापक हैं। उनके खिलाफ फर्जी नियुक्ति की शिकायत हुई है। इसकी जांच मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक आरपी शर्मा के पास है। अजय चौधरी ने विजिलेंस को बताया कि जेडी ने उनके पक्ष में जांच रिपोर्ट देने के लिए 10 लाख रुपए की मांग की। शिकायतकर्ता ने विजिलेंस में रिश्वत मांगने की शिकायत की। 17 अगस्त को शिकायतकर्ता को जेडी को तीन लाख रुपए की पहली किस्त देनी थी। जेडी ने शिकायतकर्ता को तीन लाख रुपए लेकर कार्यालय आने को कहा था। विजिलेंस प्रभारी का कहना है कि शाम करीब 6 बजे जेडी कार्यालय के बाहर शिकायतकर्ता जेडी की गाड़ी में रुपए का बैग देते हुए पकड़ा गया है।

# बहुत ही दयालु एवं सात्विक प्रवृत्ति के संत थे स्वामी भगवानदासाचार्य : स्वामी अनिरुद्धाचार्य महाराज






(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

**वृन्दावन।** केशीघाट स्थित ठा. श्रीजानकी वल्लभ मंदिर में श्रीमद् वेदान्त देशिक आश्रम ट्रस्ट के द्वारा चल रहे दस दिवसीय ठा. श्रीजानकीवल्लभ लालजी के 50वें (स्वर्ण जयंती) प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं बैकुंठवासी श्रीवेदान्तदेशिक पीठाधीश्वर अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु स्वामी रामानुजाचार्य परमहंस स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज के 25 वें (रजत जयंती) त्रिपाद्विभूति प्राप्ति महोत्सव के अंतर्गत संतों व विद्वानों की पावन सन्निधि में स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज की नवीन प्रतिमा का अनावरण किया गया।साथ ही वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य उनका पूजन-अर्चन किया गया।साथ ही जगद्गुरू रामानुजाचार्य महाराज के संबंध में श्रीस्मृति प्रभा व श्री आलवंदार स्तोत्र रत्न पुस्तकों का विमोचन किया गया।इस अवसर पर आयोजित संत-विद्वत संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीजानकी वल्लभ मंदिर के अध्यक्ष जगद्गुरु स्वामी अनिरुद्धाचार्य महाराज एवं स्वामी माधव नारायणाचार्य महाराज ने कहा कि हमारे सद्गुरुदेव स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज बहुत ही दयालु एवं सात्विक प्रवृत्ति के संत थे।उनके द्वारा निरंतर समाज के हित में कई कार्य किए गए।वे श्रीधाम वृंदावन की दिव्य विभूति थे। आचार्य कुटी/श्रीकृष्ण मन्दिर- पीठाधीश्वर श्रीमज्जगद्गुरु स्वामी श्रीरामप्रपन्नाचार्य महाराज एवं सुग्रीव किला अयोध्या/वृंदावन पीठाधीश्वर श्रीमज्जगद्गुरु स्वामी विश्वेशप्रपनाचार्य महाराज ने कहा कि हम सभी को सदैव ही सद्गुरु के द्वारा बताए गए सन्मार्ग पर चलना चाहिए।तभी हमारा कल्याण हो सकता है। श्रीनाभापीठाधीश्वर श्रीमज्जगद्गुरु स्वामी सुतीक्ष्णदास देवाचार्य महाराज एवं श्रीमज्जगद्गुरु स्वामी रामेश्वर दास महाराज ने कहा कि स्वामी भगवान दासाचार्य महाराज सहजता, सरलता, उदारता व परोपकारिता आदि अनेकों सद्गुणों की खान थे।हम लोग यदि उनके किसी एक गुण को भी अपने जीवन में धारण कर लें तो हमारा कल्याण हो सकता है। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं स्वामी रघुनाथाचार्य महाराज ने कहा कि बैकुंठवासी अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज श्रीरामानुज सम्प्रदाय की बहुमूल्य विभूति थे।उनके द्वारा स्थापित सेवा प्रकल्पों का निर्वाह श्रीजानकीवल्लभ मंदिर में स्वामी अनिरुद्धाचार्य महाराज के निर्देशन में आज भी पूर्ण समर्पण के साथ संचालित हो रहा है। इस अवसर पर स्वामी गोविंद ब्रह्मचारी महाराज, श्रीमज्जगद्गुरु स्वामी श्रीरामप्रपन्नाचार्य महाराज (प्रयागराज), चतुःसंप्रदाय के श्रीमहंत फूलडोल बिहारीदास महाराज, पण्डित बिहारीलाल वशिष्ठ, आचार्य नेत्रपाल शास्त्री, पूर्व प्राचार्य डॉ. रामसुदर्शन मिश्रा, डॉ. रमेश चंद्राचार्य विधिशास्त्री, आचार्य सर्वेश द्विवेदी, हितेश शर्मा, ब्रजकिशोर दास महानजी भक्तमाली, महेशचंद्र अग्रवाल (दिल्ली), राम अवतार नरसरिया (रांची), सत्य नारायण फोगला (हैदराबाद), गुलशन कुमार महाजन (जम्मू) डॉ. रमेश चंद्र गुप्ता (दिल्ली), भारत भूषण (दिल्ली), मुकेश शास्त्री, रामानारायण पुजारी, डॉ. राधाकांत शर्मा, हितेश शर्मा, पण्डित ईश्वरचंद्र रावत, शैलेन्द्र कृष्ण आचार्य आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।संचालन आचार्य यशोदा नन्दन शास्त्री (लालजी महाराज) ने किया।महोत्सव का समापन संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं तदीयाराधन (वृहद भंडारे) के साथ हुआ।

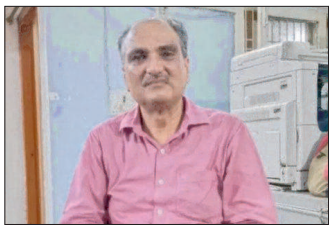

## संक्षिप्त डायरी

### जेल प्रशासन ने किया सम्मानित



**मथुरा।** 15 अगस्त के अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के नगर सह प्रमुख एवं अपराध निरोधक समिति के आगरा मण्डल उपाध्यक्ष श्री योगेश अग्रवाल एवं सचिव श्री कपिल देव शर्मा को कारागार अधिक्षक श्री अंशुमन गर्ग जी द्वारा पटका पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया  कारागार अधिक्षक महोदय ने बतलाया विगत वर्ष जिला कारागार मै किये गए सेवा कार्य के लिए श्री कपिल शर्मा एवं श्री योगेश अग्रवाल को सम्मान दिया गया है

### जूनियर डॉक्टरों से मिले दो मंत्री:आईएमए ने की शोक सभा

**आगरा।** में 6 दिन से हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टरों से शनिवार को दो मंत्री मिलने पहुंचे। दोनों मंत्रियों को जूनियर डॉक्टरों ने अपनी मांगों का ज्ञापन दिया। मंत्रियों ने आश्वासन दिया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री तक ज्ञापन को पहुंचा देंगे। आईएमए ने शहीद स्मारक पर शोक सभा का आयोजन किया। कोलकाता में मेडिकल छात्रा के साथ हुई घटना को लेकर एसएन मेडिकल कॉलेज में धरना दे रहे जूनियर रेजीडेन्ट डॉक्टर्स के बीच धरना स्थल पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय पहुंचे। उन्होंने जूनियर डॉक्टर्स से बात की। जूनियर डॉक्टर्स ने मांग की कि कोलकाता केस की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो। पूरे देश में पूरे समय के लिए सीपीए लागू हो। मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा और व्यवस्था की दृष्टि से आधुनिक और इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित हो। महिला जूनियर रेजीडेन्ट डॉक्टर्स के सुरक्षा के प्रबन्ध हों। शाम को आगरा के सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल भी जूनियर डॉक्टर्स से मिलने पहुंचे। उच्च शिक्षा योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि कोलकाता में हुई घटना निःसंदेह शर्मनाक है। उस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। बल्कि कोलकाता में हो यह रहा है कि वहां की सत्ता सियासती चालबाजों के चलते हुए सीबीआई जांच के लिए सबूत मिटाने के लिए हॉस्पीटल में बडे स्तर पर तोड़फोड़ को संरक्षण दे रही है। वह भी निन्दा योग्य है। कानून हाथ में लेने का अधिकार किसी के पास नहीं है। उन्होंने ज्ञापन में जो मांगे एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रशासन से सम्बन्धित है, उसके लिए प्रिंसिपल डॉ. प्रशान्त गुप्ता को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये। शाम को शहीद स्मारक पर शोक सभा के लिए इकट्ठा हुए आईएमए के सदस्यों ने गुस्सा जाहिर किया। डॉक्टर्स का कहना था कि जो इलाज करता है, उसे ही अब सुरक्षा की जरूरत महसूस हो रही है। डॉ. पंकज नगायच ने कहा कि इतने बड़े राष्ट्र में भी हमारी बहू-बेटी सुरक्षित नहीं हैं। डॉ. मुनीश्वर गुप्ता ने कहा कि यह बात राजनीतिक नहीं है। यह मानवता की बात है। पेल्विक हड्डी तक टूटी हुई थी। सोचिए उस बच्ची पर कितना जुल्म हुआ होगा। हमें अपने घर में यह परंपरा शुरू करनी होगी कि हम बेटों से भी सवाल करें।

### गैंगरेप पीड़िता का परिवार परेशान, मिल रही धमकियां

**आगरा।** में गैंगरेप पीड़िता और उसका परिवार भय और दहशत के साए में जी रहा है। अपनी जान-माल की सुरक्षा और अभियुक्तों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पीड़िता अपनी दादी के साथ शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंची। पीड़िता ने मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई और अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। घटना के डेढ़ माह बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं पीड़िता ने शिकायत की कि घटना को डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे पीड़िता और उसका परिवार दहशत में है। भय के कारण परिवार ने गांव से पलायन कर दिया है और अब वे किराए के घर में रहने को मजबूर हैं। कमिश्नर के हस्तक्षेप पर बढ़ाईं गईं धाराएं सैंया की रहने वाली किशोरी, जगदीशपुरा में एक विवाह समारोह में अपनी दादी के साथ गई थी, जहां उसे एक लड़की ने तांत्रिक के पास ले जाने के बहाने फंसा लिया। तांत्रिक और उसके साथियों ने किशोरी के साथ गैंगरेप किया। इसके बाद उसे अछनेरा और फिर राजस्थान के कोटा ले जाकर एक व्यक्ति के साथ शादी करवा दी और उसे साढ़े चार लाख रुपए में बेच दिया। किसी तरह पीड़िता उनके चंगुल से निकलकर आगरा वापस आई और थाने में शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, थाने में केवल अपहरण की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया, जिससे पीड़िता का परिवार और अधिक निराश हो गया। बाद में, पीड़िता और उसके परिवार ने कमिश्नर से मुलाकात की, जिसके बाद थाना जगदीशपुरा पुलिस ने रेप, अपहरण, षड्यंत्र, बंधक बनाना, मानव तस्करी और पॉक्सो की धाराएं बढ़ाईं।

## सगी बहनों के सामने यमुना में डूबा भाई रक्षाबंधन से पहले बटेश्वर दर्शन करने आए थे



**आगरा।** के बटेश्वर में रक्षाबंधन पर्व से पहले बहनों के सामने भाई की जान चली गई। अपनी दो सगी बहनों के साथ भाई दर्शन करने के लिए बटेश्वर आया था। बताया गया है कि घाट पर दर्शन के बाद भाई का पैर फिसल गया और वो यमुना में डूब गया। उसे गोताखोरों ने बाहर निकाल लिया। तुरंत ही उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। भाई की मौत की खबर सुनते ही दोनों बहनें रोते-रोते बेसुध हो गईं।

फिरोजाबाद जिले के नसीरपुर थाने के मोहम्मदाबाद गांव का रहने वाला अमन पुत्र धर्मेन्द्र सिंह अपनी बहन राखी और नीतू के साथ बटेश्वर आया था। रविवार सुबह 9.30 बजे शिव मंदिर के घाट पर यमुना नदी में स्नान कर रहा था। उसी समय पैर फिसला और वो यमुना नदी के गहरे पानी में डूब गया। बहनें भाई को बाहर निकालने के लिए चीखती रहीं।

चीख पुकार पर बचाने को यमुना नदी में गोताखोर कूद गए। उसे बेहोशी की हालत में बाह सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। भाई की मौत पर दोनों बहनें रो-रोकर बेहाल हैं। भाई की याद करते हुए वो बेसुध हो गई हैं। रोते-रोते कह रही हैं कि अब कल किसके हाथ पर राखी बांधेंगी। लोग बहनों को ढांढस बंधा रहे हैं।

## अर्धसैनिक समूह के लड़ाकों ने करीब 85 लोगों को मौत के घाट उतारा

खारतूम। सूडान में अर्धसैनिक समूह के लड़ाकों ने एक गांव में तोड़फोड़, लूटपाट के साथ ही आगजनी करते हुए महिलाओं व बच्चों समेत कम से कम 85 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है। यह जानकारी प्राधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने शनिवार को दी है। सूडान में पिछले 18 महीने से विनाशकारी संघर्ष जारी है, जिसके चलते रक्तपात की यह ताजा घटना सामने आई है। सूडान के विदेश मंत्रालय ने अपने एक बयान में बताया है कि अर्धसैन्य बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने जुलाई में सेन्नार प्रांत के गलगानी क्षेत्र में हमलों की शुरूआत की थी। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह आरएसएफ के लड़ाकों ने एक गांव में रह रहे निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की है। इस बयान में बताया गया है कि जब ग्रामीणों ने अपहरण और महिलाओं व लड़कियों के साथ बलात्कार जैसी घटनाओं का विरोध किया तो उन पर हमला कर दिया गया। इस घटना और गोलीबारी में करीब 150 से अधिक ग्रामीण घायल हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक कर्मी का कहना है कि शुक्रवार तक चिकित्सा केंद्र में 24 महिलाओं और नाबालिगों समेत करीब 80 शव लाए गए। स्थानीय लोगों का कहना था कि उन्होंने एक-दो शव तो सड़क के बीचों-बीच पड़े देखे थे।

## रूस के शिवेलुच ज्वालामुखी में विस्फोट

मास्को। रूस के पूर्वी तट के पास रविवार सुबह 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की वजह से इलाके में मौजूद शिवेलुच नाम के ज्वालामुखी में विस्फोट हो गया। ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद उठा धुएं का गुब्बार समुद्र तट से 8 किमी की ऊंचाई तक दिखाई दिया। यह ज्वालामुखी रूस के तटीय शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 450 किमी दूर है। इस शहर की आबादी 1 लाख 80 हजार है। हालांकि विस्फोट में किसी भी तरह के नुकसान और जान-माल की हानि की खबर नहीं है।

## जवानों की फायरिंग में 85 लोगों की मौत

खार्तूम। सूडान के अर्द्धसैनिक बलों के हमले में 85 लोगों की मौत की खबर है। सूडान की पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सेस ने सूडान के एक केंद्रीय गांव पर हमला कर 85 लोगों की हत्या कर दी। सूडान में बीते 18 महीने से चल रहे संघर्ष में यह हिंसा की ताजा घटना है। इससे पहले जुलाई में भी रैपिड सपोर्ट फोर्स ने सेन्नार प्रांत के गलगनी इलाके में भी हमला किया था। सूडान की पैरामिलिट्री फोर्स रैपिड सपोर्ट फोर्स के कुछ जवान गांव पहुंचे थे और उन्होंने यौन शोषण के उद्देश्य से कुछ महिलाओं और लड़कियों का अपहरण करने की कोशिश की। जिसका गांव के लोगों द्वारा विरोध किया गया। विरोध के चलते जवान मौके से भाग गए। हालांकि कुछ देर बाद ही बड़ी संख्या में पैरामिलिट्री के जवान कई वाहनों में सवार होकर गांव पहुंचे और उनके साथ बड़ी संख्या में स्वचालित हथियार भी थे। पैरामिलिट्री के जवानों ने आते ही गांव वालों पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसमें महिलाओं, बच्चों समेत 85 लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है।

## ओकलैंड में हुई गोलीबारी में 02 की मौत, 02 घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के ओकलैंड में कल शनिवार को सुबह के करीब गोलीबारी की एक घटना को अंजाम दे दिया गया, जिसमें 02 लोगों की मौत हो गई जबकि 02 अन्य लोग बुरी तरह घायल हो गए। घटना की जानकारी दे रही सैन फ्रांसिस्को बे एरिया की पुलिस ने बताया कि यह घटना आवासीय क्षेत्र में हुई है। ओकलैंड पुलिस विभाग के बयान में बताया गया है, कि अधिकारियों को पूर्वी ओकलैंड के एक आवासीय क्षेत्र में जिसे 83वें एवेन्यू के 1600 ब्लॉक के नाम से जाना जाता है में घटना होने की सूचना सुबह करीब नौ बजे प्राप्त हुई थी। इस घटना में 02 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 02 अन्य लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक अनेक लोगों के बीच चल रही बहस के दौरान ही एक व्यक्ति ने बंदूक निकालकर गोलीबारी कर दी। गोलीबारी की घटना को अंजाम देने वाला व्यक्ति एक वाहन में सवार हो मौके से फरार हो गया। यहां बताते चलें कि करीब 4 लाख आवादी वाला शहर ओकलैंड इन दिनों अपराध और जन सुरक्षा की समस्या से खासा जूझ रहा है।

## कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप- मर्डर मामले में ढाका में भी हुआ प्रदर्शन

ढाका। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के विरोध में ढाका विश्वविद्यालय में 'राजू स्कल्प्चर' (ढाका विश्वविद्यालय में एक छात्र की स्मृति में बनाया गया स्मारक) के निकट प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां भी ले रखी थीं जिन पर लिखा था बलात्कारियों को फांसी दो, क्या मैं अगली हूं?, हिंसा बंद करो। 'ढाका ट्रिब्यून' ने भौतिकी विभाग की छात्रा ने कहा, हम बंगाल में बलात्कार के मामले में मेडिकल कॉलेज प्रशासन के असहयोगपूर्ण रवैये से अवगत हैं। मानव विज्ञान विभाग की छात्रा आन्या फहमीन ने कहा, दुनियाभर में महिलाओं को दुष्कर्म जैसे घिनौने अपराध का सामना करना पड़ता है और हम कोलकाता के आरजी कर अस्पताल मामले में निष्पक्ष जवाबदेही के लिए चल रहे आंदोलन का पूरा समर्थन करते हैं। वित्त विभाग की छात्रा अनिका अरेफिन अनु ने कहा, हमें महिलाओं के लिए एक सुरक्षित देश बनाना होगा। छात्रों ने विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और हमें अपनी सरकार पर सभी बलात्कार के मामलों में मुकदमा चलाने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दबाव डालना होगा।, छात्रों ने पूरे परिसर में तख्तियां लेकर मार्च किया।

## इजरायली के हमले में कमांडर कसाब हुआ ढेर, हिजबुल्लाह ने बरसाए रॉकेट

यरूशलेम। इजरायल अपने दुश्मनों के खिलाफ ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इन इमलों में लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्लाह के अल-हज रदवान फोर्स के एक टॉप कमांडर को ढेर कर दिया। हिजबुल्ला ने कसाब की मौत की पुष्टि की है। हालांकि उसके पद या रैंक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इजरायली सेना ने ड्रोन हमले की फुटेज जारी की है और दावा किया कि इसमें हुसैन इब्राहिम कसाब को मार गिराया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कसाब उस वक्त मोटरसाइकिल से जा रहा था। वह लेबनान के टायर शहर से गुजर रहा था, तभी इजरायल ने ड्रोन अटैक में उसे मार गिराया। इजरायली सेना का कहना है कि 7 अक्टूबर से अब तक हिजबुल्ला के 412 आतंकी मारे जा चुके हैं। कसाब भी उन्हीं मे से एक है। गुस्साए हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल पर 55 रॉकेट दागे। यह हमला इजरायली हवाई हमले के जवाब में किया गया। इजरायली हमले में दक्षिणी लेबनान के नबाटिया शहर के पास 10 लोगों की मौत हो गई थी। इजरायली सेना का कहना है कि हिजबुल्ला के कुछ रॉकेट खुले इलाकों में गिरे जबकि अन्य ने कई जगहों पर आग लगा दी।उधर इजरायली सेना ने बताया है कि उसने सेंट्रल गाजा में 40 ठिकानों पर बमबारी की है। ये कार्रवाई हमास के उस दावे के बाद की गई कि उसके लोगों ने दक्षिण गाजा में कुछ इजरायली सैनिकों को मार डाला है और घायल कर दिया है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाय एड्रै ने शनिवार को एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली विमानों ने पिछले कुछ घंटों में गाजा पट्टी में 40 'आतंकवादी ठिकानों' पर हमला किया, जिसमें सैन्य भवन, हथियार डिपो और अन्य शामिल हैं।

कनाडा में नेशनल एक्सहीबिशन सेंटर में अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए वाटर स्कीयर्स।

## यूके में अलगावादी सिखों ने स्वतंत्रता दिवस पर मनाया काला दिवस

लंदन। ब्रिटेन भारतीय दूतावास के सामने 78वें स्वतंत्रता दिवस को काला दिवस के रूप में मनाते हुए सिखों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में इंग्लैंड के विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। 19 मार्च को लंदन में भारतीय दूतावास पर हुए हमले और तिरंगे के अपमान के बाद किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए बड़ी संख्या में यूके पुलिस को भारतीय दूतावास की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था। इसके बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने फिर से खालिस्तानी झंडे लहराए और तिरंगे का अपमान किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए दूतावास के पास किसी भी व्यक्ति को जाने की अनुमति नहीं दी गई। विरोध प्रदर्शन में वक्ताओं ने कहा कि भारत सरकार अल्पसंख्यकों को दबाने के लिए लगातार अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि काले कानूनों के तहत सिख युवाओं को गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ की जेलों में बंद किया गया है। वक्ताओं ने पंजाब की आज़ादी और खालिस्तान की स्थापना तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि भारत में न केवल सिख, बल्कि कश्मीरी, मुस्लिम, और दलित समुदाय भी सरकार की हिंदूवादी नीतियों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। मोदी सरकार उन पर लगातार अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की अल्पसंख्यक विरोधी नीतियों को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उजागर किया जाएगा। वक्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि मानवाधिकारों का हनन करने वाले देश भारत का बहिष्कार किया जाए और उसे आर्थिक रूप से कमजोर किया जाए। भारतीय दूतावास के सामने बड़ी संख्या में खालिस्तानी झंडे लहराए गए। इस विरोध प्रदर्शन में सिख फेडरेशन यूके के वरिष्ठ नेता भाई कुलवंत सिंह मुथड़ा, भाई बलविंदर सिंह ढिल्लों, एफएसओ के कोऑर्डिनेटर भाई जोगा सिंह, लवसिंदर सिंह डल्लेवाल, अमरीक सिंह सहोता, भाई रघबीर सिंह, भाई मनप्रीत सिंह, भाई गुरप्रीत सिंह, भाई परमजीत सिंह पम्मा, भाई रणधीर सिंह, जसबीर सिंह घुम्मन, केहर सिंह बर्मिंघम और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह सहित कई सिख नेता शामिल थे।

# अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स को देखने में हो रही दिक्कत

### - नासा ने दिया अपडेट, वापस आने में अभी और लग सकता है समय

**वाशिंगटन(एजेंसी)।** सुनीता विलियम्स को बोइंग स्टारलाइनर स्पेस स्टेशन में एक साथी बुच विल्मोर के साथ सिर्फ आठ दिन के लिए भेजा था लेकिन दो महीने हो चुके हैं और सुनीता अब तक लौट कर नहीं आ पाई हैं। कयासों और कोशिशों के बीच नासा ने पिछले दिनों कहा था कि अभी उनके लौटने में वक्त लगेगा। इस बीच अब एक बुरी खबर मिली है कि सुनीता विलियम्स की आंखों में दिक्कत आ रही है और उन्हें देखने में समस्या हो रही है।

सुनीता विलियम्स अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर हैं। वहां अब वह स्वास्थ्य संबंधी समस्या का सामना कर रही हैं। बोइंग के स्टारलाइनर पर सुनीता और विल्मोर की वापसी में दिक्कतें आ गई जिसके बाद वापसी टलती जा रही है। यूं तो बोइंग अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने के लिए स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन जैसे ऑप्शन्स पर विचार कर रहा है लेकिन अपडेट यह है कि सुनीता विलियम्स को अब आंखों से जुड़ी समस्या हो रही हैं।

दरअसल यह कंडिशन जैसा कि कहा जाता है कि आमतौर पर माइक्रोग्रैविटी के संपर्क में लंबे समय तक रहने के कारण आती है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि स्पेश मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को रेडिएशन से जुड़े जोखिम तो उठाने ही होते हैं. उनके शरीर पर शून्य गुरुत्वाकर्षण का असर भी होता है साथ ही अकेलेपन से मानसिक स्वास्थ्य भी बिगड़ता है। सुनीता और विल्मोर ने जून 2023 में आईएसएस की



यात्रा शुरू की थी। उसके बाद से वह वहीं फंस गए हैं।

## ट्रंप ने खुद को कमला हैरिस से बताया ज्यादा सुंदर,निजी हमले भी किए



**वाशिंगटन (एजेंसी)।** राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस पर व्यक्तिगत हमला बोला है। उन्होंने पेंसिल्वेनिया में एक रैली में उनकी शारीरिक बनावट और बुद्धिमत्ता की निंदा की है। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा, मैं उनसे कहीं ज्यादा सुंदर हूं। ट्रंप ने कमला हैरिस स्पेशल टाइम मैगजीन की कवर फोटो का जिक्र करते हुए दावा किया कि पत्रिका को एक स्केच कलाकार को काम पर रखना पड़ा क्योंकि उनकी तस्वीरें काम नहीं आईं। उन्होंने उनकी बुद्धिमत्ता पर भी सवाल उठाया और उन्हें कट्टरपंथी उदारवादी करार दिया।

दरअसल ट्रंप की पार्टी के सदस्यों ने उनसे हैरिस पर व्यक्तिगत हमले नहीं करने का अनुरोध किया है और ट्रंप उन्हीं से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे।

ट्रंप ने कहा, ''जहां तक हैरिस पर व्यक्तिगत हमलों की बात है तो उन्होंने देश के साथ जो किया है मैं उससे बहुत नाराज हूं। मैं उनसे इस बात पर नाराज हूं कि उन्होंने मेरे और अन्य के खिलाफ न्याय प्रणाली को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। मैं बेहद नाराज हूं और मुझे लगता है कि मैं व्यक्तिगत हमले कर सकता हूं।''ट्रंप ने कहा, ''उन्होंने (हैरिस ने) मुझे अजीब कहा। उन्होंने जे डी (वैंस, ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार) और मुझे अजीब कहा। वह (वैंस) अजीब नहीं हैं। वह येल में एक बेहतरीन छात्र थे, वह ओहायो स्टेट गए उन्होंने कक्षा में सर्वाधिक अंकों से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से बेहद नाराज हैं और इस पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं अपनी प्रतिद्वंद्वी पर व्यक्तिगत हमले कर सकते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में अपने गोल्फ क्लब में संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही थी। उन्होंने कहा था, ''मेरे मन में उनके लिए कोई खास सम्मान नहीं है। उनकी बुद्धिमत्ता के लिए भी मेरे मन में कोई खास सम्मान नहीं है। मेरा मानना है कि वह बहुत खराब राष्ट्रपति साबित होंगी। व्यक्तिगत हमले अच्छे होते हैं या बुरे... इस बारे में मेरा कहना है कि वह भी मेरे ऊपर व्यक्तिगत हमले करती हैं।

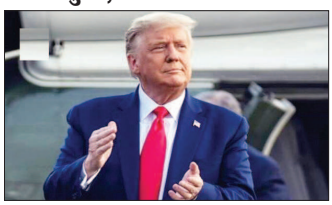

## डिबेट में हैरिस को हराने हिंदू-अमेरिकी नेता गबार्ड की शरण में ट्रंप

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बहस होने वाली है। ट्रंप ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने डिबेट भाषण में मदद के लिए एक हिंदू महिला नेता को चुना है। ट्रंप ने पूर्व डेमोक्रेटिक कांग्रेस और हिंदू-अमेरिकी नेता तुलसी गबार्ड से मदद मांग रहे है। ट्रंप और भारतीय मूल की नेता कमला हैरिस 10 सितंबर को टीवी डिबेट में आमने-सामने होंगी। तुलसी ने 2020 के राष्ट्रपति पद की दौड़ के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी और खुद को ट्रंप के समर्थकों के बीच एक सेलिब्रिटी के रूप में फिर से स्थापित किया। लंबे समय से ट्रंप के साथ उनकी दोस्ती रही है। कुछ समय के लिए उनके अफेयर की भी अटकलें थीं। तुलसी ने एक यादगार डिबेट में हैरिस को परास्त कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने ईमेल में तुलसी गबार्ड की भागीदारी की पुष्टि की है। लेविट ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति राजनीतिक इतिहास में सबसे अच्छे बहस करने वालों में से एक साबित हुए हैं। जो बाइडेन को उन्होंने पहले ही राउंड में हरा दिया। उन्हें पारंपरिक बहस की तैयारी की आवश्यकता नहीं है, लेकिन वे तुलसी गबार्ड जैसे सम्मानित नीति सलाहकारों और प्रभावी संचारकों से मिलना जारी रखने वाले है। ट्रंप कहते हैं कि उन्हें बहस के लिए तैयारी करने की आवश्यकता नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति ने इस साल बहस के लिए अभ्यास करने में 2016 या 2020 की तुलना में अधिक समय बिताया है। वह अभी भी पारंपरिक बहस की तैयारी नहीं करते हैं। 27 जून को हुई बहस से पहले किसी ने भी उनकी भूमिका नहीं निभाई। जून में बाइडेन के साथ हुई बहस से पहले ट्रंप ने सलाहकारों के साथ समय के लिए या अनौपचारिक रूप से विमान यात्राओं पर बैठकर संभावित विषयों और प्रश्नों पर चर्चा की। तुलसी ने आरोप लगाए थे कि हैरिस जब सैन फ्रांसिस्को में एक जिला अटॉर्नी थीं तब मारिजुआना उल्लंघन के लिए 1,500 से अधिक लोगों को जेल में डाल दिया और फिर जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी मारिजुआना का धूम्रपान किया है, तब वे इस पर हंस पड़ीं।

## एक माह बाद बांग्लादेश में खुले शैक्षिक संस्थान

### -बच्चे यूनिफार्म में आए नजर, शहरों की सड़कों पर दिखे वाहन

**ढाका (एजेंसी)।** बांग्लादेश में करीब एक माह बाद विश्वविद्यालयों, माध्यमिक स्कूलों और कॉलेजों समेत अन्य सभी शिक्षण संस्थानों को रविवार के दिन खोल दिया गया। छात्रों के विरोध प्रदर्शन और सरकार के तख्ता पलट के कारण इन शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया गया था। एक माह से ज्यादा समय से बंद शिक्षण संस्थानों के खुलने से विद्यार्थी एक बार फिर इस तरफ रुख कर रहे हैं। गौरतलब है कि छात्रों के विरोध प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों के चलते प्रधानमंत्री शेख हसीना को न सिर्फ अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था बल्कि जान बचाकर पड़ोसी देश भारत में शरण भी लेना पड़ी। यह छात्र आंदोलन नौकरियों में आरक्षण से संबंधित प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर किया गया था। आंदोलन के दौरान हिंसा भड़कने पर छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेश में 17 जुलाई को शिक्षण संस्थान अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की घोषणा कर दी गई थी। अब हालात सामान्य होते देख दोबारा शिक्षण संस्थान खोले गए हैं। इससे पहले शिक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को अपने अधीनस्थ सभी सभी संस्थानों को खोलने के निर्देश जारी किए थे। इस आदेश के साथ ही रविवार को सभी शिक्षण संस्थानों को खोलने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई।

## हसीना को सत्ता से हटाया... अब राजनैतिक पार्टी बनने में जुटे छात्र नेता

### -दोनों प्रमुख पार्टियों के लिए खतरे की घंटी

**ढाका (एजेंसी)।** बांग्लादेश में 15 सालों से चल रही शेख हसीना सरकार को हटाने वाले छात्र आंदोलन के नेता अपनी राजनीतिक पार्टी गठित करने वाले हैं। छात्र प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की दो प्रमुख पार्टियों की जल्द चुनाव कराने की अपील को ठुकरा दिया है। हसीना के खिलाफ छात्र आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले चार प्रदर्शनकारी नेताओं ने एक इंटरव्यू में बताया है। छात्र आंदोलन के नेताओं का लक्ष्य पिछले 15 वर्षों की स्थिति को दोबारा आने से रोकना है, जिसमें हसीना ने देश के 17 करोड़ लोगों पर कठोरता से शासन किया था। छात्र आंदोलन के नेता सुधारों को लागू करने के लिए अपनी नई पार्टी बनाने पर विचार कर रहे हैं।



जून के आखिर में सरकारी नौकरियों में विवादित कोटा के खिलाफ छात्रों ने आंदोलन शुरू किया था। इसमें अधिकांश की उम्र मुश्किल से 20-30 साल के बीच थी। कुछ ही हफ्तों में आंदोलन इतना बड़ा हो गया कि 15 सालों से देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर भागना पड़ा। आंदोलन को जेन जी या जूमर्स क्रांति कहा गया। यह उस पीढ़ी के लिए कहा जाता है जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। शेख हसीना के इस्तीफा देकर जाने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है, जो देश को चला रही है।

आंदोलन के प्रमुख लोगों में शामिल महफूज आलम ने कहा कि छात्र नेता देश में दो पार्टी की व्यवस्था को समाप्त करने के लिए एक राजनीतिक पार्टी बनाने पर चर्चा कर रहे है। लॉ के छात्र 26 वर्षीय आलम ने बताया कि करीब एक महीने में इस पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फैसला लेने से पहले नेता आम मतदाताओं से व्यापक रूप से परामर्श करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, लोग वास्तव में दोनों राजनीतिक दलों से थक चुके हैं। उन्हें हम पर भरोसा है। हसीना के खिलाफ आंदोलन में समन्वयक की भूमिका निभाने वाले तहमीद चौधरी ने कहा कि बहुत अधिक संभावना है कि वे एक राजनीतिक पार्टी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि नई पार्टी धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आधारित होगी। हालांकि, वे अभी इस पर काम कर रहे हैं। यूनुस की कैबिनेट में शामिल एक प्रमुख छात्र आंदोलन नेता 26 वर्षीय नाहिद इस्लाम ने कहा, आंदोलन की भावना एक नया बांग्लादेश बनाने की थी, जहां कोई फासीवादी या तानाशाह वापस न आ सके। यह सुनिश्चित करने के लिए हमें संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है, जिसमें निश्चत रूप से कुछ समय लगेगा।

# रूस की सिक्योरिटी एजेंसी को आशंका डर्टी बम का होगा इस्तेमाल

### -यूक्रेन के निशाने पर रूस के न्यूक्लियर पावर प्लांट

**मास्को (एजेंसी)।** रूस को डर है कि यूक्रेन उसके कुर्स्क और जेपोरोझी न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हमला कर सकता है। रूस की सिक्योरिटी एजेंसी को आशंका है कि यूक्रेन ऐसे हथियारों का इस्तेमाल करेगा, जिसका वॉरहेड रेडियोएक्टिव हो सकता है। अगर ऐसे हथियार का इस्तेमाल न्यूक्लियर पावर प्लांट्स पर किया गया तो भयानक तबाही मचेगी। रूस के डिफेंस अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन के देनप्रोपेट्रोवस्क इलाके के झोल्तिए वोदी में ये हथियार पहुंच गए हैं। यह जानकारी रूसी सिक्योरिटी अधिकारियों ने स्पतनिक मीडिया संस्थान को बताया। खारकोव इलाके में मिलिट्री-सिविल एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि यूक्रेन रूसी न्यूक्लियर फैसिलिटी को उड़ा सकता है।

उधर, यूक्रेन का दावा है कि रूसी खुद सेल्फ फायरिंग करेंगे और मामले को बढ़ावा देंगे। रूस ने यह दावा किया है कि उसे यह जानकारी पकड़े गए यूक्रेनी युद्धबंदियों से मिली है। यूक्रेन द्वारा न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हमले की प्लानिंग पश्चिमी देशों की है। इसमें ब्रिटेन मुख्यतः शामिल है। प्रो-रूसी लीडर सर्गेई लेबेदेव ने कहा कि सुमी और जेपोरोझी इलाके में कई पश्चिमी देशों के मीडिया पर्सनल पहुंच चुके हैं। ताकि हमले को लाइव कवर कर सकें।

### डर्टी बम के इस्तेमाल की आशंका

आशंका जताई जा रही है कि यूक्रेन अब डर्टी बम का इस्तेमाल करेगा। इन डर्टी बमों का इस्तेमाल कुर्स्क और जेपोरोझी न्यूक्लियर पावर प्लांट पर ही किया जाएगा। डर्टी बम का मतलब होता है ऐसा हथियार जिसमें रेडियोएक्टिव पदार्थ मौजूद हों लेकिन वो पूरी तरह से न्यूक्लियर बम नहीं होता। यानी परमाणु बम। इस बात की जानकारी रूसी की इंटेलिजेंस एजेंसी ने भी दी है कि नाटो और यूक्रेन मिलकर डर्टी बम का इस्तेमाल करना चाहते हैं। हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है, कि इस तरह के हथियार का इस्तेमाल होगा या नहीं। ये खबरें सिर्फ चल रही हैं। लेकिन इसकी वजह से यूक्रेन, रूस और यूरोप में डर का माहौल बना हुआ है।

### रूस की परमाणु मिसाइलें तैयार

दूसरी तरफ रूस ने इन खबरों के बीच अपनी न्यूक्लियर मिसाइल फोर्स को एक्टिवेट कर लिया है। जमीन, हवा और पानी से हमला करने वाली परमाणु मिसाइलें किसी भी तरह के हमले का जवाब देने के लिए तैयार कर ली गई है। रूस की ये तैयारी है कि अगर पश्चिमी देशों ने, नाटो ने हमला किया तो वो कई बड़े शहरों को अपनी मिसाइलों को निशाना बना सकता है। इसमें इंग्लैंड के शहर, अमेरिकी शहर भी शामिल हैं। एक बात तो क्लियर है कि अगर रूस की न्यूक्लियर सबमरीन ने अपनी 4500 किलोमीटर रेंज वाली परमाणु मिसाइल कैलिबर-एम को फ्लोरिडा के तट के पास से दाग दिया तो वॉशिंगटन



डीसी और न्यूयॉर्क को कोई बचा नहीं पाएगा। अमेरिका का एयर डिफेंस सिस्टम भी कैलिबर मिसाइल को बर्बाद नहीं कर पाएगा। न ही नाटो का कोई सिस्टम इन मिसाइलों को हवा में रोक पाएगा न ही ध्वस्त कर पाएगा।

# रक्षाबन्धन पर्व से जीवन में सीख

डॉ. शारदा मेहता

वर्तमान समय परिवर्तन का युग है। अनेक बहिनें विदेशों में निवास करती हैं। कई भाई भी विदेशों में रहते हैं। वे सभी डिजिटल राखियाँ एक-दूसरे को भेजकर इस त्योहार की औपचारिकता पूर्ण करते हैं। सीमित परिवारों में या तो दो बहनें होती हैं या दो भाई होते हैं। कुछ परिवारों में एक भाई एक बहन होते हैं। दो बहनें एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बाँध कर एक-दूसरे की रक्षा का वचन ले सकती हैं। इसी प्रकार दो भाई भी एक-दूसरे को राखी बाँधकर इस त्योहार का आनन्द ले सकते हैं और आजीवन एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं।

भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक रक्षाबन्धन का त्योहार भारतीय संस्कृति के प्रमुख त्योहारों में माना जाता है। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन बड़े हर्ष के साथ इस पर्व को मनाया जाता है। इस पूर्णिमा को श्रावणी पूर्णिमा तथा नारियल (नारेली) पूर्णिमा भी कहते हैं। पुरुषों द्वारा गले में धारण किए जाने वाला पवित्र धागा जिसे यज्ञोपवीत कहते हैं श्रावणी पूर्णिमा के दिन बदल कर उसके बदले में पूजन कर नई यज्ञोपवीत धारण की जाती है। नदी आदि पवित्र स्थानों पर सामूहिक रूप से इसे बदलने का कार्यक्रम पंडितों द्वारा आयोजित किया जाता है जहाँ विधिपूर्वक पूजन कर इसे धारण किया जाता है। घरों में भी पूजन विधि पूर्ण कर इसे पहना जाता है। बाजार में पूजन सामग्री विक्रेताओं के यहाँ यज्ञोपवीत आसानी से उपलब्ध हो जाती है।

रक्षाबंधन का त्योहार कब से प्रारंभ हुआ इस विषय में विभिन्न पौराणिक ग्रंथों में भिन्न-भिन्न कथाएँ पढ़ने को प्राप्त होती है। किस कथा को आधार मान कर यह पर्व अस्तित्व में आया इस विषय में विद्वानों में मतैक्य नहीं है। इस लेख में कुछ प्रचलित कथाओं का संक्षेप में वर्णन किया जा रहा है।

१. इन्द्र की कथा- देवराज इन्द्र की राजा बलि से युद्ध में रक्षा करने के लिए उनकी पत्नी शची (इन्द्राणी) ने एक रक्षा सूत्र तैयार किया और उसे इन्द्र की कलाई पर बाँध दिया। तभी से रक्षा सूत्र बाँधने की परम्परा अस्तित्व में आई। इस कथा के आधार पर राखी, पत्नी ने पति को युद्ध में जीत दिलाने की शुभेच्छा से बाँधी थी। कुछ विद्वानों का मत है कि इन्द्राणी ने रक्षा सूत्र तैयार किया और किसी श्रेष्ठ ब्राह्मण ने इन्द्र की कलाई पर इसे बाँधा।

२. श्रीकृष्ण द्रौपदी कथा- युद्ध में एक बार श्रीकृष्ण की अंगुली में चोट लगने से रक्त बहने लगा। उपचार का कोई साधन उपलब्ध नहीं था अतः द्रौपदी ने अपनी साड़ी के पल्लू को फाड़कर एक पट्टी निकाली और उसे श्रीकृष्णजी की अँगुली में बाँध कर रक्त का बहना रोक दिया। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार तभी से भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बाँधने की परम्परा प्रारंभ हुई। बहिन द्रौपदी ने भाई श्रीकृष्ण की रक्षा की थी इसलिए जब भरे दरबार में द्रौपदी का चीरहरण किया जा रहा था तब मन ही मन द्रौपदी ने श्रीकृष्ण का स्मरण किया था, श्रीकृष्ण ने अदृश्य रूप से दरबार में द्रौपदी की रक्षा की थी। तभी से रक्षा बन्धन का त्योहार मनाया जाने लगा।

३. लक्ष्मीजी और राजा बलि की कथा- एक बार भगवान विष्णु ने दैत्यराज बलि की परीक्षा लेने का सोचा। वे वामन अवतार धारण कर उनके राज्य में गए। इस अवसर में विष्णुजी ने बौने ब्राह्मण का रूप धारण किया। कहा जाता है कि उनकी ऊँचाई केवल बावन अंगुल की थी। राजा बलि ने उनके दरबार में आये ब्राह्मण का स्वागत सत्कार किया, उन्हें सम्मानित किया। वामन अवतारधारी विष्णुजी ने बलि से तीन पग भूमि दान देने को कहा। राजा बलि ने सोचा यह ब्राह्मण बोना है अतः तीन पग भूमि छोटे कदम के नाप से कम ही होगी, अतः उन्होंने ब्राह्मण की याचना स्वीकार कर ली। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने राजा बलि से ब्राह्मण को भूमि देने से इंकार किया, परन्तु राजा बलि तो संकल्प ले चुके थे। वामन भगवान ने दो पग में ही सम्पूर्ण लोकों को नाप लिया तो राजा बलि ने तीसरे पग के लिए अपना स्वयं का सिर रख दिया और भगवान वामन (विष्णुजी) से प्रार्थना की कि आप मेरे साथ पाताल लोक चलें। सरल हृदय विष्णुजी ने राजा बलि की प्रार्थना के स्वीकार कर लिया और पाताल लोक को चले गए।

खोजने पर लक्ष्मीजी को ज्ञात हुआ कि भगवान पाताल लोक में गए हैं। वे चिंतित रहने लगी। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार नारद मुनि ने लक्ष्मीजी को उदास देख कर सलाह दी कि राजा बलि के हाथ में रक्षा सूत्र बाँध कर उन्हें अपना भाई बना लें और उनसे विष्णु भगवान प्राप्त कर लें। लक्ष्मीजी पाताल लोक गईं और राजा बलि के हाथ में रक्षा सूत्र बाँधकर उन्हें अपना भाई बना लिया। रक्षा सूत्र बाँध कर लक्ष्मीजी ने अपने भाई से भगवान विष्णु को माँग लिया। विष्णुजी ने राजा बलि को वचन दिया कि प्रतिवर्ष चार मास के लिए वे पाताल लोक में निवास करेंगे। तभी से हिन्दू पंचांग के अनुसार देवशयनी एकादशी से लेकर देव प्रबोधिनी एकादशी तक विष्णु भगवान पाताल लोक में रहते हैं। इन चार मास में कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होता है। कहा जाता है कि चित्तौड़गढ़ की रानी कर्णावती ने भी हुमायूँ को जो कि दिल्ली का सम्राट था, उसके लिए राखी भेजी थी।

इन्द्राणी (शची) ने स्वनिर्मित रक्षा सूत्र पति (इन्द्र) को युद्ध में विजय प्राप्ति होने के लिए उनकी कलाई पर बाँधा था। यह कथा इस बात की पोषक है कि पत्नी भी पति की रक्षा के लिए तत्कालीन परिस्थितियों में राखी बाँध सकती थी। पति और पत्नी एक-दूसरे के पूरक होने के साथ ही आजीवन एक-दूसरे के संकट के समय सहायता करते हैं। अतः रक्षा सूत्र बाँधने की यह परम्परा उचित प्रतीत होती है। लक्ष्मीजी ने भी राजा बलि के हाथों में रक्षा सूत्र बाँधकर अपने पति भगवान विष्णु को राखी के उपहार स्वरूप माँग लिया और उन्हें पाताल लोक के बन्धन से मुक्त करवाया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी द्रौपदी द्वारा बाँधी गई साड़ी की पट्टी से अँगुली से खून बहने को रोका। उन्होंने चीरहरण के समय द्रौपदी की रक्षा की। रक्षा सूत्र भाई बहिन के स्नेह का प्रतीक तो है ही, संकट के समय एक-दूसरे की सहायता करने का सन्देश देने वाला पर्व भी है। इसमें भाई के सिर पर अक्षत युक्त तिलक लगाकर बहिन इस बात की कामना करती है कि मेरा भाई हमेशा अपने कार्य में सफल हो, विजय प्राप्त करें। भाई के हाथ में नारियल देना उसके सुखद भविष्य के लिए शुभ संकेत है। भाई-भाभी की आरती उतार कर उनके सुखद मंगलमय जीवन की कामना करती है। मेरे भाई भाभी की जोड़ी सुखी रहे और मेरी भाभी का सौभाग्य अटल रहे, यही बहिन का आशीर्वाद रहता है।

इस प्रकार गहन स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व भारतीय संस्कृति में बड़े उल्लास से मनाया जाता है। भाई-भाभी से स्नेहोपहार प्राप्त कर बहिन अपने आपको सौभाग्यशाली समझती है।

वर्तमान समय परिवर्तन का युग है। अनेक बहिनें विदेशों में निवास करती हैं। कई भाई भी विदेशों में रहते हैं। वे सभी डिजिटल राखियाँ एक-दूसरे को भेजकर इस त्योहार की औपचारिकता पूर्ण करते हैं। सीमित परिवारों में या तो दो बहनें होती हैं या दो भाई होते हैं। कुछ परिवारों में एक भाई एक बहन होते हैं। दो बहनें एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बाँध कर एक-दूसरे की रक्षा का वचन ले सकती हैं। इसी प्रकार दो भाई भी एक-दूसरे को राखी बाँधकर इस त्योहार का आनन्द ले सकते हैं और आजीवन एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं। प्रायः सभी घरों में कन्याओं द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और हनुमानजी को रक्षा सूत्र बाँधने की परम्परा तो युगों से चली आ रही हैं। नवाचार के इस युग में बच्चों से वृक्षों पर रक्षा सूत्र बँधवाएँ जिससे वे उसकी रक्षा करें और काटे नहीं। पालतू पशुओं को भी राखी बाँधकर उन पर हो रहे अत्याचार को रोकें। अतः समय के अनुकूल जैसा भी संभव हो रक्षा सूत्र के पवित्र बन्धन के त्योहार को मनाने का हम नई पीढ़ी के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

## संपादकीय

### स्तब्ध करता फैसला

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट (29) की ओलंपिक रजत पदक पाने की उम्मीद बुधवार को ध्वस्त हो गई जब इस बाबत उनके दावे को अपील खेल पंचाट (सीएएस) ने खारिज कर दिया। यह वाकई निराश और हतप्रभ करने वाला निर्णय है। विनेश ने ओलंपिक फाइनल से पहले 100 ग्राम वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दिए जाने के खिलाफ सीएएस के समक्ष अपील की थी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। आईओए की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने कहा कि वह फैसले से स्तब्ध और निराश हैं। आईओए ने खिलाड़ियों के 'मनोवैज्ञानिक और शारीरिक तनाव' को समझने में नाकाम 'अमानवीय नियमों' की आलोचना की है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक में 50 किलो फ्रीस्टाइल कुश्ती में भारत का प्रतिनिधित्व किया। एक ही दिन में तीन कुश्ती मुकाबले जीतकर दमदार तरीके से फाइनल में पहुंचीं विनेश को फाइनल मुकाबले से पहले किए गए वजन में सौ ग्राम अधिक उतरने पर अयोग्य करार दे दिया गया था। इस पर विनेश ने क्यूबा की पहलवान युसनेलिस गुजमैन लापेज के साथ संयुक्त रूप से रजत पदक दिए जाने की मांग की थी। लापेज को विनेश ने सेमीफाइनल में हराया था। विनेश फोगाट अयोग्यता के चलते बिना पदक वतन लौट रही हैं, लेकिन देशवासी उनका विजेता की तरह स्वागत करने की तैयारी में हैं। उनके गृह राज्य हरियाणा ने उन्हें रजत पदक विजेता को मिलने वाली इनाम राशि और अन्य प्रोत्साहन देने की घोषणा की है। देशवासी मान रहे हैं कि विनेश स्वर्ण पदक जीत सकती थीं लेकिन नियति को यह मंजूर नहीं था। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि भारतीय पहलवान किसी साजिश का शिकार हुई हैं। कुछ उनके प्रशिक्षक और अन्य स्टाफ को कठघरे में खड़ा करने से भी नहीं चूक रहे। दरअसल, देशवासियों में गुस्सा इस कदर है कि कुश्ती महासंघ तक को लपेटे दिए दे रहे हैं। दुख और गुस्से में अपनी मां के नाम किए पोस्ट में विनेश ने कुश्ती को अलविदा कहने की बात कही, लेकिन उन्हें इस फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए। अभी उनमें कुश्ती के लिए पर्याप्त क्षमता है, और मौका आने पर वे सभी को चौंका सकती हैं। इसलिए उन्हें संन्यास लेने का अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

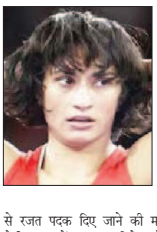



## चिंतन-मनन

### ध्वनि तंरगों से रोगों का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपचार होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

# जम्मू-कश्मीर लिखेगा एक और इतिहास

आजादी और विभाजन के बाद ऐतिहासिक विवाद और विचार-विमर्श का केंद्र रहे जम्मू-कश्मीर फिर नई इबारत लिखने जा रहा है। पांच अगस्त 2019 को स्वायत्तशासी राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए जम्मू-कश्मीर का भूगोल लद्दाख के अलग होने के कारण पहले ही बदल चुका है। अरसे बाद तीन चरणों में विधानसभा चुनाव तय हो गया है। 2014 के बाद होने जा रहा नए जम्मू-कश्मीर का यह विधानसभा चुनाव इतिहास का हिस्सा होगा। इस साल जून से आतंकवादियों के आए दिन हमलों और सुरक्षाकर्मियों की शहादत के बीच सुप्रीम कोर्ट के प्रति सम्मान जताने के चुनाव आयोग के फैसले से अवाम को स्थानीय स्तर पर नुमाइंदे मिल जाएंगे। इससे उनकी अपने जनप्रतिनिधि चुनने के बाद उनकी समस्याओं पर सुनवाई और समाधान नजदीक ही नहीं, तेजी से भी होने की उम्मीद बढ़ गई है। 87.09 लाख मतदाताओं वाले केंद्र शासित प्रदेश में सभी दलों के लिए पूर्ण राज्य का मुद्दा सबसे अहम है। अनुच्छेद 370 के खात्मे के समय गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया था कि विधानसभा चुनाव के बाद उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। जमीन और नौकरी का अधिकार, बेरोजगारी, महंगाई, अलगाववाद और सुरक्षा के हालात भी चुनाव पर अपनी छाप जरूर छोड़ेंगे।

भाजपा जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला और मुफ्ती के परिवारवाद पर 2014 के लोकसभा चुनाव से ही प्रखरता से प्रहार करती रही है। 2019 में अनुच्छेद 370 खत्म करने के बाद इसे बड़ा मुद्दा बना दिया। 2024 के लोकसभा चुनाव में अवाम के बदले मिजाज का असर दिखा। यही वजह रही कि दो पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बारामुला और महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजोरी सीट पर हार गए। इंडिया गठबंधन में आम राय नहीं बन पाई। उमर की पराजय अप्रत्याशित रही। महबूबा की शिकस्त का कारण भी नेशनल




कांफ्रेंस रही। हालांकि पांच में से दो संसदीय सीटों पर लड़ी कांग्रेस सबसे अधिक 29.38 प्रतिशत वोट पाने के बावजूद शून्य पर रही। दो सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी भाजपा ने 24.26 फीसदी वोट के साथ दो सीटें जीत लीं। नेशनल कांफ्रेंस ने भी दो सीटें हासिल कीं पर 22.30 प्रतिशत वोट लेकर वह तीसरे स्थान पर खिसक गई। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों में साफ है कि नेशनल कांफ्रेंस 34 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही। भाजपा ने 28, कांग्रेस सात और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी 5 सीटों पर बढ़त बनाई। बारामुला संसदीय सीट पर निर्दलीय जीते इंजीनियर रशीद 14 विधानसभा क्षेत्रों में अव्वल रहे। भाजपा की सहयोगी जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी और पीपुल्स कांफ्रेंस एक-एक क्षेत्र में आगे रही।

2014 के विधानसभा चुनाव में 25 साल बाद 66.4 फीसदी मतदान हुआ था। उस समय लद्दाख की चार सीटों को मिलाकर 87 सीटें थीं। भाजपा ने इनमें से 25 सीटें जीती थीं, जबकि उसे 23.2 फीसदी वोट मिले थे। पीडीपी की सीटें सबसे अधिक 28 थीं लेकिन वोट प्रतिशत 22.9 रहा। नेशनल कांफ्रेंस को 15 सीटें और 20.8 फीसदी मत मिले। कांग्रेस ने 18.2 प्रतिशत वोट हासिल कर 12 सीटें पाईं थीं। त्रिशंकु विधानसभा के कारण अरसे तक राज्यपाल शासन के बाद मुफ्ती मोहम्मद सईद के नेतृत्व में सरकार बनी थी। अब स्थितियां बदली हुई हैं। नए दौर में नतीजे नए गठबंधन के नेताओं और नीतियों पर निर्भर करेंगे। वैसे, 2024 में जम्मू-कश्मीर को 'जन्नत-ए-जम्हूरियत' के तौर पर दर्ज कराने के लिए भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

भाजपा को भरोसा है कि बरसों बाद पहली बार विधानसभा चुनाव में मतदान का हक पाने वाले मतदाता और बेहतरी के लिए उसे चुनने में गर्व महसूस करेंगे। अनुच्छेद 370 हटाए जाने से पहले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची का आधार अलग-अलग होने के कारण मतदाताओं की संख्या में ही नहीं, मंशा में भी भारी अंतर होता था। अब नए माहौल में यहां नई इबारत के साथ-साथ नया इतिहास लिखा जाना तय है। पाकिस्तान समेत दुनिया के लिए चुनाव पूरा होने तक जम्मू-कश्मीर कौतूहल का विषय बना रहेगा।

चुनावी लिहाज से परिसीमन के बाद से जम्मू और कश्मीर में सीटों का संतुलन बन गया है। कुल 90 विधानसभा सीटों में जम्मू क्षेत्र 37 से बढ़ कर 43 हो गई हैं, जबकि कश्मीर में यह आंकड़ा 46 से केवल 47 तक पहुंचा है। यही नहीं, परिसीमन के बाद नौ सीटें अनुसूचित जनजाति और सात सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित की गई हैं। भाजपा का जोर इन सीटों के जीतने पर है। गुज्जर बक्करवाल समुदाय के साथ ही पहाड़ी समुदाय को आरक्षण देकर भाजपा ने पहले से ही तैयारी कर ली है। यह भी स्पष्ट है कि पहली बार भाजपा की सरकार बनने पर सत्ता की कमान डोगरा बिरादरी के हाथ में होगी। मुख्यमंत्री पद के लिए उसने चेहरा तय है। अब तक गुलाम नवी आजाद के अलावा सभी मुख्यमंत्री कश्मीर घाटी के ही रहे हैं। महबूबा मुफ्ती के साथ एक बार सरकार में शामिल रह चुकी भाजपा को सरकार बनाने के लिए कम से कम 46 सीटों पर जीत हासिल करनी होगी। फिलहाल, 30 सीटों पर आगे भाजपा के लिए कश्मीर घाटी में पीपुल्स कांफ्रेंस और अपनी पार्टी के साथ ही जम्मू संभाग में गुलाम नवी आजाद की अगुआई वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी में किसी किस्म की समझदारी उसके लिए लाभदायक हो सकती है।

**-प्रदीप मिश्र (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# वैश्विकी : बेमानी यूक्रेन यात्रा



डॉ. दिलीप चौबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'शांति दूत' बनकर अगले सप्ताह यूक्रेन जाने वाले हैं। इस यात्रा की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन विभिन्न सूत्रों के अनुसार मोदी की यूक्रेन और पोलैंड़ यात्रा 21 से 23 अगस्त तक प्रस्तावित है। इस यात्रा के कार्यक्रम की तैयारी पिछले कई सप्ताह से हो रही थी। इस सिलसिले में भारत अमेरिका और रूस सहित कई देशों के साथ संपर्क में था। लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमिर जेलेंस्की के गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण इस यात्रा पर ग्रहण लग गया है। बदले हुए हालात में मोदी को इस यात्रा पर जाना भी चाहिए इस पर सवालिया निशान लग गया है।

अमेरिकी मीड़िया में इस आशय के समाचार प्रकाशित हुए हैं कि रूस और यूक्रेन, दोनों एक सीमित युद्ध-विराम पर सहमति बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में वार्ता करने के लिएतैयार थे। प्रतीत होता है कि इसी संभावना के मद्देनजर मोदी ने यूक्रेन यात्रा पर जाने का फैसला किया हो। लेकिन हाल में जेलेंस्की ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हमला करके संभावित शांति प्रयास पर पानी फेर दिया। रूस की अब यह निश्चित राय है कि जेलेंस्की अमेरिका और नाटो, दोनों की शह पर युद्ध का विस्तार करने पर आमादा हैं। मोदी अपनी यात्रा से कुछ हासिल कर पाएंगे इसमें संदेह है। एक खतरा यह भी है कि भारत अपने भरोसेमंद मित्र देश रूस की नाराजगी मोल ले सकता है।

अमेरिकी अधिकारियों ने दोहा वार्ता के संबंध में मीड़िया को अनौपचारिक रूप से बताया था कि रूस और यूक्रेन के अधिकारी संभावित बैठक में सीमित युद्ध-विराम पर चर्चा करने वाले थे। वार्ता की मेज पर समझौते का एक प्रारूप था जिसमें दोनों देश एक दूसरे के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमला नहीं करने पर सहमति बनाने वाले थे। संघर्ष के दौरान रूस ने यूक्रेन के बिजलीघरों को मिसाइलों से निशाना बनाया था। दूसरी ओर, यूक्रेन ने रूस के तेल प्रतिष्ठानों और तेलशोधक संयंत्रों पर ड्रोन से हमले किए थे। दोहा वार्ता यदि सफल होती तो इससे दोनों देशों को राहत मिलती तथा भविष्य में स्थायी युद्ध विराम के पक्ष में माहौल बन सकता था। अब कुर्स्क क्षेत्र में हमले के बाद परिस्थितियां पूरी तरह से बदल गई हैं। हालांकि अभी भी समय है कि मोदी अपनी यूक्रेन यात्रा को रद्द कर दें। यदि वह यात्रा पर जाते हैं तो अपने शांति प्रयासों को सीमित कर दें तथा द्विपक्षीय संबंधों पर ही ध्यान दें। मोदी के दोनों गंतव्य देश यूक्रेन और पोलैंड़ रूस के खिलाफ नाटो के मंसूबों के मोहरे हैं। अच्छा तो यह होता कि मोदी अपने यात्रा कार्यक्रम में हंगरी को शामिल करते जो इस संघर्ष में संतुलित नीति अपना रहा है।

यूक्रेन संघर्ष समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों ने जो शांति प्रस्ताव रखे हैं, उनमें जमीन आसमान का अंतर है। इस खाई को पाटना भारत जैसे देश के लिए संभव नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी कितनी भी सदइच्छा रखे, वह जेलेंस्की और राष्ट्रपति पुतिन को शांति के लिएराजी नहीं कर सकते। जेलेंस्की की मांग है कि रूस अपनी सेनाएं यूक्रेन से पूरी तरह हटाए। दूसरी ओर रूस की मांग है कि यूक्रेन ड़ोनबास सहित चारों प्रांतों पर उसका अधिकार स्वीकार करे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइड़न सहित पश्चिमी देशों के नेता रूस की रणनीतिक हार के एजेंडे.पर काम कर रहे हैं। हकीकत यह है कि मोदी की शांति पहल की असफलता की इबारत यूक्रेन यात्रा शुरू होने के पहले ही लिख दी गई है। बांग्लादेश में अमेरिका और पश्चिमी देशों ने जो हरकत की उससे भी भारत क्षब्ध है। जब पश्चिमी देश पड़ोस में ही भारत के हितों की अनदेखी कर रहे हों तो इन हालात में एक यूरोपीय संघर्ष में भारत की शांति पहल का कोई औचित्य नहीं है। खासकर ऐसे समय जब यूक्रेन नाटो के हथियारों के बलबूते युद्ध क्षेत्र में रूस को हटाने का दिवास्वप्न देख रहा हो।

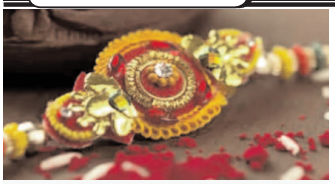

# रक्षाबंधन भाई और बहन के प्यार का प्रतीक

रक्षा बंधन का त्योहार हर साल श्रावण पूर्णिमा को मनाया जाता है। रक्षा बंधन का त्योहार भाई बहन के प्यार का प्रतिक है, जिसे राखी का त्योहार भी कहा जाता है। रक्षा बंधन पर बहन भाई की कलाई पर राखी बंधती और उसके सुखी जीवन की प्राथना करती है। इसके साथ ही बहन बहन से अपनी सुरक्षा का वचन लेती है। रक्षा बंधन हिन्दुओं को प्रमुख त्योहार है, जिसे पूरे भारत समेत अन्य देशों में भी मनाया जाता है। रक्षा बंधन का त्योहार भाई और बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने वाला पर्व है। रक्षा बंधन का अर्थ है रक्षा का बंधन, यह का पर्व हर साल श्रवण मास पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की रक्षा के लिए उसकी कलाई पर राखी नामक पवित्र धागा बांधती है। श्रावण मास की पूर्णिमा पर मनाया जाने वाला रक्षा बंधन भारत का सबसे लोकप्रिय त्योहार है। राखी के त्योहार को लेकर कई प्राचीन कहानियां प्रचलित में हैं। अगर हम इतिहास में देखें तो भाई और बहन के बीच प्यार का प्रतिक रक्षा बंधन युद्ध में जीत का भी प्रतिक है।

### राखी और आधुनिक तकनीकी माध्यम

आज के आधुनिक तकनीकी युग एवं सूचना सम्प्रेषण युग का प्रभाव राखी जैसे त्योहार पर भी पड़ा है। बहुत सारे भारतीय आजकल विदेश में रहते हैं एवं उनके परिवार वाले (भाई एवं बहन) अभी भी भारत या अन्य देशों में हैं। इण्टरनेट के आने के बाद कई सारी ई-कॉमर्स साइट खुल गयी हैं जो ऑनलाइन आर्डर लेकर राखी दिये गये पते पर पहुँचाती है। इसके अतिरिक्त भारत में राखी के अवसर पर इस पर्व से सम्बन्धित एक एनीमेटेड सीडी भी आ गयी है जिसमें एक बहन द्वारा भाई को टीका करने व राखी बाँधने का चलचित्र है। यह सीडी राखी के अवसर पर अनेक बहनें दूर देश में रहने वाले अपने भाइयों को भेज सकती हैं।

# रक्षा बंधन पर भद्रा काल और पंचक से डरने की जरूरत नहीं, बांधें इस शुभ मुहूर्त में राखी

सावन माह की पूर्णिमा यानी 19 अगस्त 2024 सोमवार के दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दिन भद्रा का साया रहेगा और इसी के साथ ही पंचक भी प्रारंभ होगा। बीच में अशुभ मुहूर्त भी रहेगा। कई लोग असमंजस में हैं कि फिर राखी कब बांधें। उनके लिए यहां प्रस्तुत है शास्त्र सम्मत शुभ मुहूर्त।

**भद्रा का वास:** 19 अगस्त 2024 को भद्रा का वास पाताल लोक में रहेगा। अधिकतर ज्योतिष मान्यता के अनुसार यदि भद्रा पृष्ठ वीलोक की हो तो ही इसके नियम मान्य होते हैं। भद्राकाल प्रातः 05:53 से दोपहर 01:30 तक रहेगा। इसलिए इसके बाद शुभ मुहूर्त में राखी बांध सकते हैं।

**पंचक काल :** 19 अगस्त 2024 को शाम 7 बजे से पांच दिनों के लिए अशुभ पंचक काल प्रारंभ होगा। हालांकि सोमवार को पड़ने वाला पंचक राज पंचक कहलाता है। राज पंचक को शुभ फलदायी माना जाता है इसलिए इस काल में राखी बांधने में कोई दोष नहीं लगेगा। यह पंचक शुभ माना जाता है और मान्यता अनुसार इसके प्रभाव से पांच दिनों में कार्यों में सफलता मिलती है खासकर सरकारी कार्यों में सफलता के योग बनते हैं साथ ही संपत्ति से जुड़े काम करना भी शुभ होता है।

**नक्षत्र :** इस दिन धनिष्ठा नक्षत्र रहेगा। धनिष्ठा नक्षत्र में शुरू होने वाले पंचक में अग्नि का भय रहता है। इसलिए सावधानी रहें। राखी बांधने में कोई दोष नहीं है।

शुभ मुहूर्त का समय: 19 अगस्त को रक्षाबंधन का मुहूर्त दोपहर में 03:40 बजे से रात 9:08 बजे तक रहेगा। इस बीच शुभ मुहूर्त या चौघड़ियां में राखी बांध सकते हैं।

रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त-

अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:58 से दोपहर 12:51 तक।

विजय मुहूर्त : दोपहर 02:35 से दोपहर 03:27 तक।

गोधूलि मुहूर्त : शाम 06:56 से 07:18 तक।

रक्षा बंधन प्रदोष मुहूर्त : शाम 06:56:06 से रात्रि 09:07:31 तक।

सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त : मध्याह्न 3:30 से 6:45 मिनट तक।

# रक्षाबंधन राखी पर यदि कर लिए ये 8 अचूक उपाय

19 अगस्त 2024 को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाएगा। राखी के इस पर्व पर श्रावण मास की पूर्णिमा होती है। यदि आप आर्थिक संकट से परेशान हैं, कर्ज से मुक्ति चाहते हैं और दरिद्रता आपको सता रही है तो इस बार रक्षाबंधन पर आजमाए हमारे बताए गए 8 अचूक उपाय।

1. रक्षा बंधन का त्योहार पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है पूर्णिमा के देवता चंद्रमा है। इस तिथि में चंद्रदेव की पूजा करने से मनुष्य का सभी जगह आधिपत्य हो जाता है। यह सौम्या तिथि हैं।

2. रक्षाबंधन पर 5 शुभ योग का संयोग आ रहा है, जो बहुत दुर्लभ योग है। इन योगों के नाम हैं- सर्वार्थ सिद्धियोग, रवियोग, सौभाग्ययोग, शोभनयोग और श्रावण नक्षत्र के संयोग सहित ये 5 योग हैं। अत:- इस दिन व्रत रख कर रक्षा बंधन मनाने का कई गुना लाभ है।

3. रक्षा बंधन पर हनुमानजी को राखी बांधने से वे भाई-बहनों के बीच के क्रोध को शांत करके उनमें आपसी प्रेम को बढ़ा देते हैं।

4. आपको यदि ये लगता है कि मेरे भाई को किसी की नजर लग गई है तो आप इस दिन फिटकरी को अपने भाई के उपर से 7 बार वार कर उसे किसी चौराहे पर फेंक आएं या चूल्हे की आग में जला दें। इससे नजर दोष दूर हो जाएगा

5. यह भी कहा जाता है कि इस दिन गणेशजी की पूजा करने से भाई-बहन के रिश्ते में प्यार बढ़ जाता है।

6. इस दिन बहन को हर तरह से खुश रखने और उसे उसका मनपसंद उपहार देने से भाई के जीवन में भी गई खुशियां लौट आती हैं।

7. दरिद्रता दूर करने के लिए अपनी बहन के हाथ से गुलाबी कपड़े में अक्षत, सुपारी और एक रुपए का सिक्का ले लें। इसके बाद अपनी बहन को वस्त्र और मिठाई उपहार और रुपए दें और चरण छूकर उसका आशीर्वाद लें। दिए गए गुलाबी कपड़े में लिया गया सामान बांधकर उचित स्थान पर रखने इसे घर की दरिद्रता दूर हो जाएगी।

8. एक दिन एकाशना करने के उपरांत रक्षाबंधन वाले दिन शास्त्रीय विधि-विधान से राखी बांधते हैं। फिर साथ ही वे पितृ-तर्पण और ऋषि-पूजन या ऋषि तर्पण भी किया जाता है। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद और सहयोग मिलता है जिससे जीवन के हर संकट समाप्त हो जाते हैं।

# पौराणिक प्रसंग

राखी का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि देव और दानवों में जब युद्ध शुरू हुआ तब दानव हावी होते नज़र आने लगे। भगवान इन्द्र घबरा कर बृहस्पति के पास गये। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बाँध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बाँधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है। इतिहास मे कृष्ण और द्रौपदी की कहानी प्रसिद्ध है, जिसमे युद्ध के दौरान श्री कृष्ण की उंगली घायल हो गई थी, श्री कृष्ण की घायल उंगली को द्रौपदी ने अपनी साड़ी मे से एक टुकड़ा बाँध दिया था, और इस उपकार के बदले श्री कृष्ण ने द्रौपदी को किसी भी संकट मे द्रौपदी की सहायता करने का वचन दिया था। स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है। कथा कुछ इस प्रकार है, दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा माँगने पहुँचे। गुरु के मना करने पर भी बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश पाताल और धरती नापकर राजा बलि को रसातल में भेज दिया। इस प्रकार भगवान विष्णु द्वारा बलि राजा के अभिमान को चकनाचूर कर देने के कारण यह त्योहार बलेव नाम से भी प्रसिद्ध है कहते हैं एक बार बलि रसातल में चला गया तब बलि ने अपनी भक्ति के बल से भगवान को रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। भगवान हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है।

# क्या होती है भद्रा?

रक्षाबंधन के पर्व पर भद्राकाल का विशेष ध्यान रखा जाता है। भद्रा में राखी न बंधवाने के पीछे एक पौराणिक मान्यता प्रचलित है। मान्यता के अनुसार लंकापति राजा रावण ने अपनी बहन से भद्रा के समय ही राखी बंधवाई थी। भद्राकाल में राखी बांधने के कारण ही रावण का सर्वनाश हुआ था। इसी मान्यता के आधार पर जब भी भद्राकाल होता है तो उस समय बहनों को अपने भाइयों की कलाई पर राखी नहीं बांधती हैं। इसके अलावा भद्राकाल में भगवान शिव तांडव नृत्य करते हैं इस कारण से भी भद्रा में शुभ कार्य नहीं किया जाता है।

# रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता या एकसूत्रता का सांस्कृतिक उपाय

रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता या एकसूत्रता का सांस्कृतिक उपाय रहा है। विवाह के बाद बहन पराये घर में चली जाती है। इस बहाने प्रतिवर्ष अपने सगे ही नहीं अपितु दूरदराज के रिश्तों के भाइयों तक को उनके घर जाकर राखी बाँधती है और इस प्रकार अपने रिश्तों का नवीनीकरण करती रहती है। दो परिवारों का और कूलों का पारस्परिक योग (मिलन) होता है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी एकसूत्रता के रूप में इस पर्व का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार जो कड़ी टूट गयी है उसे फिर से जागृत किया जा सकता है।

# ऐतिहासिक प्रसंग

राजपूत जब लड़ाई पर जाते थे तब महिलाएँ उनको माथे पर कुमकुम तिलक लगाने के साथ साथ हाथ में रेशमी धागा भी बाँधती थी। इस विश्वास के साथ कि यह धागा उन्हे विजयश्री के साथ वापस ले आयेगा। राखी के साथ एक और प्रसिद्ध कहानी जुड़ी हुई है। कहते हैं, मेवाड़ की रानी कर्मावती को बहादुरशाह द्वारा मेवाड़ पर हमला करने की पूर्व सूचना मिली। रानी लड़ने में असमर्थ थी अत उसने मुगल बादशाह हुमायूँ को राखी भेज कर रक्षा की याचना की। हुमायूँ ने मुसलमान होते हुए भी राखी की लाज रखी और मेवाड़ पहुँच कर बहादुरशाह के विरूद्ध मेवाड़ की ओर से लड़ते हुए कर्मावती व उसके राज्य की रक्षा की। एक अन्य प्रसंगानुसार सिकन्दर की पत्नी ने अपने पति के हिन्दू शत्रु पुरूवास को राखी बाँधकर अपना मुँहबोला भाई बनाया और युद्ध के समय सिकन्दर को न मारने का वचन लिया। पुरूवास ने युद्ध के दौरान हाथ में बँधी राखी और अपनी बहन को दिये हुए वचन का सम्मान करते हुए सिकन्दर को जीवन-दान दिया। महाभारत में भी इस बात का उल्लेख है कि जब ज्येष्ठ पाण्डव युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूँ तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर आपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बाँधने के कई उल्लेख मिलते हैं। महाभारत में ही रक्षाबन्धन से सम्बन्धित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तान्त भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाड़कर उनकी उँगली पर पट्टी बाँध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई।

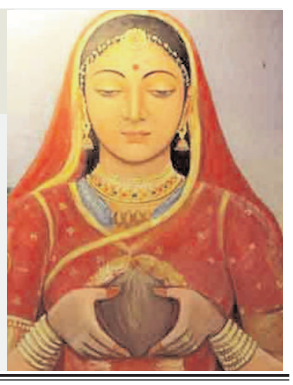

## ऑयल ऑफ मालाबार अब रतलाम में भी उपलब्ध

रतलाम/इन्दौर। उत्तरी केरल का मालाबार क्षेत्र नारियल की खेती के लिए जाना जाता है, क्योंकि अनुकूल जलवायु के चलते यहां गर्मी नमी और अच्छी बारिश होती है, जिससे नारियल की खेती के लिए यह स्थान एकदम सही है। आपको बता दें कि बेहतर नारियल तेल के लिए अच्छे नारियल बहुत जरूरी हैं और उत्तरी मालाबार प्रीमियम ग्रेड के नारियल के उत्पादन के लिए जाना जाता है, यही वजह है कि ऑयल ऑफ मालाबार ब्रांड अपने उत्पाद के लिए लगभग 10न नारियल तेल मालाबार से लेता है, ताकि अच्छे नारियल तेल का निर्माण किया जा सके। ऑयल ऑफ मालाबार रतलाम सहित मध्य प्रदेश में भी उपलब्ध हैं। ऑयल ऑफ मालाबार रतलाम सहित मध्य प्रदेश में भी उपलब्ध हैं। कम ही लोगों को पता होगा कि मालाबार तट पर सदियों से नारियल के पेड़ों की खेती की जा रही है, ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि हजारों सालों से नारियल के पेड़ इस क्षेत्र की मुख्य फसल थे और यह नारियल के व्यापार का भी प्रमुख केंद्र था। ऑयल अरब सागर के साथ मालाबार तट की महत्वपूर्ण स्थिति के कारण यहां अरब और यूरोपीय व्यापारियों के साथ नारियल का व्यापार किया जाता था। उत्तरी मालाबार में नारियल की अच्छी किस्में उगाई जाती हैं, यहां की जलवायु, भरपूर बारिश और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी के कारण नारियल में तेल की मात्रा भी अधिक होती है और उनका स्वाद भी बेहतर होता है। यहां के अधिकांश किसान आज भी रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग न करके खेती के पारंपरिक तरीके अपनाते हैं, जिससे नारियल का प्राकृतिक स्वाद और पोषण बना रहता है। ऑयल ऑफ मालाबार में नारियल के प्राकृतिक गुणों को बनाए रखने के लिए कठोर मापदंडों का पालन किया जाता है, स्थानीय सहकारी समितियां और कृषि संगठन खेती से लेकर कटाई, सुखाने की प्रक्रिया और प्रोसेसिंग तक गुणों के मापदंडों को बनाए रखते हैं, ताकि कटाई के बाद भी नारियल की ताजगी और शुद्धता बनी रहे और तेल का भी अधिक उत्पादन हो पाए।ऑयल ऑफ मालाबार रतलाम सहित मध्य प्रदेश में भी उपलब्ध हैं।

## इस हफ्ते भारतीय स्टार्टअप्स ने जुटाई 395 मिलियन डॉलर फंडिंग

**नई दिल्ली।** बीते हफ्ते भारतीय स्टार्टअप्स ने 20 डील के जरिए 395 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई है। यह आंकड़ा इससे पहले 113 मिलियन डॉलर का था, जो 22 डील में जुटाए गए थे। हॉस्पिटैलिटी और ट्रेवल-टेक कंपनी ओयो ने इस हफ्ते नेतृत्व किया है। सीरीज-जी राउंड के तहत इनकैड वेल्थ, पेशेंट कैपिटल, जेएंडए पार्टनर, मैनकाइंड फार्मा के प्रमोटर्स और एएसके फाइनेंशियल होल्डिंग्स और अन्य निवेशकों से 1,457 करोड़ रुपये (175 मिलियन डॉलर) की राशि जुटाई गई है। वहीं वेल्थ और एसेट्स मैनेजमेंट फर्म नियो की ओर से 400 करोड़ रुपये (करीब 48 मिलियन डॉलर) की राशि सीरीज-बी राउंड के तहत एमयूएफजी बैंक और न्यूयॉर्क आधारित यूविलिडियन कैपिटल एलएलसी एवं अन्य निवेशकों से जुटाए हैं। ईवी फर्म एथर एनर्जी ने 71 मिलियन डॉलर की फंडिंग 1.3 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर जुटाई है, जो इस कंपनी को यूनिकॉर्न बना देती है। कंपनी को बीते तीन महीने में 125 मिलियन डॉलर की पूंजी जुटाने में सफलता मिली है। जुलाई में सभी भारतीय स्टार्टअप ने मिलकर 1.03 अरब डॉलर की राशि जुटाई थे। इसमें से 28 डील ग्रोथ या लेट स्टेज की थी, जिसमें 725 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया गया था। वहीं, 72 डील शुरुआती स्टेज की थी, इसमें 311.83 मिलियन डॉलर जुटाए गए थे। वहीं 26 डील में जुटाई गई राशि का खुलासा नहीं किया गया। हालांकि यह शुरुआती चरण की डील थी। जुलाई में दो भारतीय स्टार्टअप को 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा की फंडिंग जुटाने में सफलता मिली थी। ई-कॉमर्स स्टार्टअप पर्पल और ऑटोमोटिव टेक स्टार्टअप रैपिडो दोनों में से हर एक ने 120 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया था। 2024 के पहले सात महीनों में भारतीय स्टार्टअप की ओर से कुल 8 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई जा चुकी है। 2023 में पूरे वर्ष के लिए यह आंकड़ा 11 अरब डॉलर और 2021 एवं 2022 में यह आंकड़ा 38 अरब डॉलर और 25 अरब डॉलर पर था।

# भारत को 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा करने की जरूरत: गोपीनाथ

**नई दिल्ली।**

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए देश को 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के हीरक जयंती कार्यक्रम में कहा कि 2010 से शुरू होने वाले दशक में भारत की औसत वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रही, लेकिन रोजगार दर दो प्रतिशत से कम रही। गोपीनाथ ने कहा कि इसलिए भारत की रोजगार दर अन्य जी-20 देशों की तुलना में काफी कम है। यदि आप जनसंख्या वृद्धि के लिहाज से भारत के अनुमानों को देखें तो भारत को अब से लेकर 2030 तक कुल मिलाकर छह करोड़ से 14.8 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा करनी होंगी। हम पहले से ही 2024 में हैं, इसलिए हमें कम समय में बहुत सारी नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके लिए भूमि सुधार और श्रम संहिताओं को लागू करने सहित बुनियादी सुधारों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अधिक नौकरियां के अवसर देने के लिए निजी निवेश बढ़ाने की भी जरूरत है, क्योंकि यह सकल घरेलू उत्पाद में सात प्रतिशत वृद्धि के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निवेश अच्छा चल रहा है, लेकिन निजी निवेश में सुधार करना होगा। गोपीनाथ ने यह भी कहा कि भारत को अपनी शिक्षा प्रणाली में सुधार करना चाहिए, ताकि वह अपने वर्कफोर्स के स्किल विकास कर सके।

## कारखानों के ज्यादातर मजदूरों का वेतन 20,000 से कम: रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** देश में कारखानों में काम करने वाले ज्यादातर मजदूरों का वेतन 20,000 रुपये प्रतिमाह या उससे कम है। एक रिपोर्ट में कहा गया है, इससे पता चलता है कि कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा वित्तीय तनाव से झेल रहा है तथा आवास, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। प्रौद्योगिकी से जुड़े एक श्रम प्रधान भर्ती मंच ने रिपोर्ट में कहा कि 57.63 प्रतिशत से अधिक श्रम प्रधान नौकरियां 20,000 रुपये प्रति माह या उससे कम वेतन सीमा में आती हैं। यह दिखाता है कि कई श्रमिक न्यूनतम मजदूरी के करीब कमाते हैं। रिपोर्ट से पता चला है कि लगभग 29.34 प्रतिशत श्रम प्रधान नौकरियां मध्यम आय वर्ग में हैं, जिनमें वेतन 20,000-40,000 रुपये प्रति माह है। इसमें कहा गया है कि इस श्रेणी में आने वाले श्रमिकों को वित्तीय सुरक्षा में मामूली सुधार का अनुभव होता है, लेकिन वे आरामदायक जीवन स्तर प्राप्त करने से बहुत दूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस सीमा में आय से आवश्यकताएं तो पूरी हो जाती हैं, लेकिन बचत या निवेश के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है, जो इस श्रेणी के कार्यबल के एक बड़े हिस्से की आर्थिक कमजोरी को उजागर करता है। आंकड़ों से पता चलता है कि श्रम क्षेत्र में कम वेतन वाली नौकरियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और उच्च आय के लिए सीमित अवसर हैं।

# वैश्विक रुख और विदेशी निवेशक तय करेंगे शेयर बाजार की चाल: विश्लेषक

**- एफआईआई के पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव पर भी नजर रहेगी**

**मुंबई।**

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। कंपनियों के वित्तीय परिणाम जारी हो चुके हैं, ऐसे में इन दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह बात विशेषज्ञों ने कही है। इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर निवेशकों की नजर होगी। बाजार के `विश्लेषकों ने कहा `कि चूंकि कंपनियों के वित्तीय परिणाम आ चुके हैं, ऐसे में इस सप्ताह, वृहद आर्थिक मोर्चों पर ऐसी कोई महत्वपूर्ण गतिविधियां नहीं हैं, जिससे निवेशक संकेत लें। हालांकि, वैश्विक स्तर पर आर्थिक आंकड़े महत्वपूर्ण होंगे। इसमें जापान में मुद्रास्फीति आंकड़े और अमेरिकी एफओएमसी बैठक का ब्योरा महत्वपूर्ण है, जिसपर निवेशकों की नजरें होंगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता की स्थिति बाजार के लिए जोखिम बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कारोबारियों की विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव पर भी नजर होगी।अमेरिका में मंदी की आशंका कम होने से शुक्रवार को वैश्विक बाजार में तेजी आई। अमेरिका में मुद्रास्फीति में नरमी और खुदरा बिक्री के मजबूत आंकड़े जैसे सकारात्मक आंकड़ों ने मंदी की आशंकाओं को दूर किया है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले महीने की शुरुआत में नीतिगत दर में कटौती की संभावना से भारत सहित वैश्विक शेयर बाजारों में एक बड़ी तेजी आई। बाजार` विशेषज्ञों ने कहा `कि बाजार का रुख एफओएमसी बैठक के ब्योरे, अमेरिका में घरों की बिक्री के आंकड़ों से तय होगा। इस सप्ताह सभी की नजरें अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के ब्योरे पर होंगी। कुल मिलाकर हम उम्मीद करते हैं कि बाजार मजबूत होगा और वैश्विक गतिविधियों से संकेत लेगा।

# देश की शीर्ष 10 कंपनियों में सात का मार्केट कैप 1.40 लाख करोड़ बढ़ा

**टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस सबसे ज्यादा लाभ में रहीं**

**नई दिल्ली।** बीते सप्ताह देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 1,40,863.66 करोड़ रुपये बढ़ा। बीएसई सेंसेक्स में एक प्रतिशत की तेजी के साथ कंपनियों का बाजार मूल्यांकन बढ़ा है। बेहतर कारोबारी उम्मीद के साथ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस सबसे ज्यादा लाभ में रहीं। पिछले सप्ताह अवकाश के कारण कारोबारी दिवस कम था। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 67,477.33 करोड़ रुपये बढ़कर 15,97,946.44 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 36,746.21 करोड़ रुपये बढ़कर 7,72,023.49 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 11,727.55 करोड़ रुपये बढ़कर 8,45,123.87 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,913.96 करोड़ रुपये बढ़कर 8,36,115.19 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांकन 8,569.73 करोड़ रुपये बढ़कर 6,28,399.10 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 5,311.4 करोड़ रुपये बढ़कर 20,00,076.41 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 117.48 करोड़ रुपये बढ़कर 6,45,926.13 करोड़ रुपये रहा। हालांकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) का बाजार पूंजीकरण 47,943.48 करोड़ रुपये घटकर 6,69,058.26 करोड़ रुपये पर रहा। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 13,064 करोड़ रुपये घटकर 12,43,441.53 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 10,486.42 करोड़ रुपये घटकर 7,25,080.10 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे मूल्यवान कंपनी का दर्जा बरकरार रखा है। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

## बीपीसीएल अगले पांच साल में करेगी 1.7 लाख करोड़ का निवेश

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि कंपनी अगले पांच साल में 1.7 लाख करोड़ रुपये के निवेश करने पर` विचार कर रही है। कंपनी यह निवेश अपने मुख्य कारोबार तेल शोधन और ईंधन विपणन को बढ़ाने के साथ-साथ पेट्रोरसायन तथा हरित ऊर्जा जैसे नये क्षेत्रों में करेगी। बीपीसीएल के पास वर्तमान में देश की कुल तेल शोधन क्षमता का लगभग 14 प्रतिशत और ईंधन खुदरा नेटवर्क का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। कंपनी नये क्षेत्रों में दस्तक देने के साथ अपने मुख्य कारोबार को बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी के अधिकारी ने सालाना रिपोर्ट में कहा है कि बीपीसीएल अब प्रोजेक्ट एस्पायर के रूप में कई दशक की आकांक्षी यात्रा के पहले चरण को लागू कर रही है। इसका पांच साल का रणनीतिक ढांचा दो मूलभूत स्तंभों पर आधारित है। इसमें मुख्य कारोबार को बढ़ावा और दूसरा भविष्य की परियोजनाओं में निवेश है। श्री धिकारी ने कहा कि हमारी मध्यम अवधि की रणनीति जारी है। इसके तहत एक एक तरफ जहां हम अपने मुख्य कारोबार पेट्रोलियम उत्पादों की रिफाइनिंग और विपणन तथा खोज और उत्पादन गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पेट्रोरसायन, गैस, हरित ऊर्जा, गैर-ईंधन खुदरा और डिजिटल जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

# भारत को 2030 तक एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी: आईसीएसआई

**नई दिल्ली।**

कंपनी सचिवों के शीर्ष निकाय आईसीएसआई का कहना है कि तेज आर्थिक वृद्धि और बढ़ते हुए कंपनी संचालन के दौरान भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की जरूरत होगी। वर्तमान में 73,000 से अधिक कंपनी सचिव हैं और इनमें से लगभग 12,000 कंपनी सचिव कार्यरत हैं। कंपनी सचिव कंपनियों में विभिन्न सांविधिक जरूरतों का अनुपालन सुनिश्चित कर कॉरपोरेट संचालन ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और कंपनी सचिव भारत को दुनिया के सबसे पसंदीदा निवेश स्थलों में से एक बनाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन गये हैं। उन्होंने हाल ही में कहा कि भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी। विभिन्न अनुमानों के अनुसार भारत के 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय की इस साल जनवरी में जारी रिपोर्ट में कहा गया था कि वित्तीय क्षेत्र और हाल के तथा भविष्य के संरचनात्मक सुधारों के दम पर आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत से ऊपर रहेगी। मुद्रास्फीति रुख और विनिमय दर के आधार पर, भारत 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। संस्थान ने पेशे में अधिक युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए कंपनी सचिव कार्यकारी कार्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का सीधा पंजीकरण भी शुरू किया है। आईसीएसआई ने अन्य उपायों के अलावा कॉरपोरेट निदेशक मंडल में अपनाई जाने वाली सचिव स्तर की गतिविधियों में एकरूपता लाने के लिए मानक पेश किये हैं।

# महाराष्ट्र में नये सोयाबीन फसल की आवक के बीच सोयाबीन तिलहन टूटा

**नई दिल्ली।**

महाराष्ट्र के सांगली मंडी में खरीफ सोयाबीन के नये फसल की आवक शुरु होने के दौरान देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट के साथ बंद हुए। शिकागो एक्सचेंज में शुक्रवार रात लगभग दो प्रतिशत के सुधार के बीच यहां सरसों तेल तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि सहकारी संस्था नाफेड अलग अलग राज्यों में तेल मात्रा की प्रतिशत के हिसाब से सरसों तिलहन की बिक्री 5,150 से 5,550 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर कर रही है। हालांकि सरसों के नये एमएसपी के हिसाब से सरसों के दोनों भाव एमएसपी से कम ही हैं। इसके अलावा प्रति क्विंटल सरसों के लिए लगभग 150 रुपये का वारदाना मुफ्त दिया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि मौजूदा समय में आयातित तेलों के थोक दाम बेहद सस्ते हैं। तेल तिलहन की महंगाई की चिंता करने वाले समीक्षकों व संबद्ध अधिकारियों को इस सुनहरे वक्त का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का इंतजाम करना चाहिये। तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे: सरसों तिलहन 5,925-5,965 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,425-6,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,350 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,290-2,590 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 11,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,875-1,975 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,875-2,000 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,100 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,775 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,350 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,750 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,575 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 9,925 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला-9025 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,300-4,330 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,110-4,235 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,150 रुपये प्रति क्विंटल।

# पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगभग सभी राज्यों में स्थिर

**नई दिल्ली।**

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के भाव अपडेट कर दिए हैं। रे विवार को भी फ्यूल की कीमतों में किसी भी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। पेट्रोल और डीजल पुरानी कीमतों पर ही खरीदा जा सकेगा। मालूम हो कि पेट्रोल पर जीएसटी नहीं लगता है लेकिन, पेट्रोल का रिटेल सेलिंग प्राइस एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमिशन, वैट जुड़ने के बाद फाइनल होता है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक अलग-अलग महानगरों और शहरों में पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमत इस प्रकार है- दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर है।

## एफपीआई ने अगस्त में अब तक 21,201 करोड़ के शेयर बेचे

**नई दिल्ली।**

विदेशी निवेशकों ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजारों में अब तक कुल 21,101 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इसकी वजह येन मुद्रा में कैरी ट्रेड यानी निम्न ब्याज दर वाले वाले देश से कर्ज लेकर दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश का बंद होना, अमेरिका में मंदी की आशंका और वैश्विक स्तर पर बढ़ता तनाव है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफआईआई ने जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे थे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने आर्थिक वृद्धि निरंतर बने रहने, सुधार जारी रहने, कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद से बेहतर रहने और राजनीतिक स्तर पर स्थिरता की उम्मीद में इन दो महीनों में निवेश किये। इससे पहले एफपीआई ने लोकसभा चुनावों के दौरान मई में 25,586 करोड़ रुपये और मॉरीशस के साथ भारत के कर समझौते में बदलाव तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार वृद्धि पर चिंताओं के बीच अप्रैल में 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने 1-17 अगस्त तक शेयर बाजार से 21,201 करोड़ रुपये की पूंजी निकासी की है। एफपीआई ने इस साल अब तक इक्विटी शेयर में 14,364 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अगस्त में एफपीआई की निकासी का मुख्य कारण वैश्विक और घरेलू कारक हैं। बाजार के जानकार कहते हैं कि वैश्विक स्तर पर, येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने, वैश्विक मंदी की आशंका, धीमी आर्थिक वृद्धि और वैश्विक स्तर पर जारी संघर्षों को लेकर चिंताओं के कारण बाजार में अस्थिरता और जोखिम से बचने का रुख बना है। बैंक ऑफ जापान ने मुख्य ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। इसके बाद में येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने से पूंजी निकासी शुरू हुई। घरेलू स्तर पर जून और जुलाई में शुद्ध लिवाल होने के बाद कुछ एफपीआई ने पिछली तिमाहियों में मजबूत तेजी के बाद मुनाफा वसूली का विकल्प चुना होगा। इसके अलावा कंपनियों के तिमाही परिणाम मिले-जुले होने तथा अपेक्षाकृत उच्च मूल्यांकन ने भारतीय शेयर बाजार को कम आकर्षक बना दिया है।

## मारुति सुजुकी फ्रोंक्स की हो रही शानदार बिक्री

**नई दिल्ली।** भारत और विदेश में मारुति सुजुकी फ्रोंक्स की शानदार बिक्री हो रही है। कंपनी इस गाड़ी की दोनों बाजारों में 2 लाख से ज्यादा यूनिट्स बेच चुकी है। मारुति सुजुकी फ्रोंक्स अब भारत से जापान निर्यात कर रही है। फ्रोंक्स को अब लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीका के कई देशों में निर्यात किया जा रहा है। हाल ही में इसे जापान में भी निर्यात करना शुरू कर दिया गया है। जापानी कंपनी सुजुकी ने फ्रॉन्क्स के डिजाइन के लिए भारत में मारुति के साथ साझेदारी की है। इस कार का निर्माण भारत के गुजरात में किया जाता है। हालांकि सुजुकी द्वारा इसे डिजाइन किया गया है। भारत में बनने के कारण उम्मीद है कि यह जापान में भी पसंद की जाएगी। बता दें मारुति सुजुकी फ्रोंक्स ऑटो एक्सपो 2023 में लॉन्च की गई थी। इसकी बिक्री 24 अप्रैल 2023 से शुरू हुई थी। इस गाड़ी की 10 महीनों के अंदर 1 लाख से ज्यादा यूनिट बिक गईं थी।

# 72 रन पर ऑलआऊट हुई ऑस्ट्रेलिया ए टीम, भारत को मिली बड़ी जीत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मकाय -प्रिया मिश्रा के 5 और मिन्नू मनी के (2 विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंडिया ए महिला टीम ने रविवार को खेले के तीन मैचों की सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ए को 171 रनों से हरा दिया है। भारतीय टीम शानदार गेंदबाजी के आगे 244 रनों के लक्ष्य पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया का कोई भी बल्लेबाज पिच पर नहीं टिक सका। मैडी डार्क ने सर्वाधिक (22), टेस फ्लिंटॉफ ने (20) और चार्ली नॉट (11) रन बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका और ऑस्ट्रेलियाई टीम 22.1 ओवर में 72 के स्कोर पर सिमट गई।

भारतीय टीम ने अपने मुकाबले में अपना दमखम दिया है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया 2-1 से यह सीरीज जीत चुकी है। इंडिया ए महिला टीम की ओर से प्रिया मिश्रा ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिकरा करते हुए 5 ओवरों में 2 मेडन के साथ 14 रन देकर 5 विकेट लिए। वहीं, मिन्नू मनी ने 2.1 ओवर में 4 रन देकर 2 विकेट चटकाए। साइका इशाक, सोप्पाधांडी यशश्री और मेघना सिंह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम ने टॉस जीतकर इंडिया ए महिला टीम को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ही ओवर में श्वेता सेहरावत (शून्य) पर पवेलियन लौट गई। इसके बाद किरण नवगिरे और उमा छेत्री ने पारी को संभाला। नवगिरे ने 23 गेंद पर 25 रन बनाए और उमा छेत्री ने 16 रन बनाए। एक समय टीम इंडिया ने 43 रन पर अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद तेजल और राघवी बिष्ट ने चौथे विकेट के लिए 103 रनों की साझेदारी की।

तेजल ने (50) और राघवी (53) रनों की पारी खेली। सजीवन सजना ने (40) कप्तान मिन्नू मनी ने (34) रन बनाए। इंडिया ए महिला टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट पर 243 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम की ओर से मेटलन ब्राउन ने 3 विकेट लिए। निकोला हैनकॉक और चार्ली नॉट को 2-2 विकेट मिले। टेस फ्लिंटॉफ और केट पीटरसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

# मयंक की वापसी को लेकर अभी से कुछ नहीं कह सकते: जय शाह

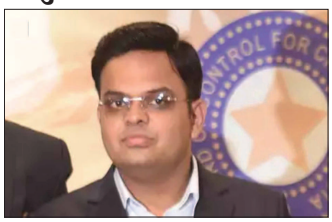



**मुम्बई (एजेंसी)।** आईपीएल 2024 सत्र में अपनी तेज गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचने वाले तेज गेंदबाजी मयंक यादव अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास कर रहे हैं। वहीं ये अटकलें भी लगायी जा रहीं हैं कि मयंक को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सिरीज में अवसर मिल सकता है। दूसरी ओर बीसीसीआई सचिव जय शाह का कहना है कि मयंक को टी20 सीरीज में अवसर मिलेगा या नहीं। इसपर अभी से कुछ नहीं कहा जा सकता है।.

बीसीसीआई सचिव ने कहा, मैं अभी से मयंक की वापसी को लेकर कोई बात नहीं कह सकता। इसकी कोई गारंटी नहीं दे सकता है कि वह टीम में होगा या फिर नहीं पर ये सही है कि वो एक अच्छा गेंदबाज है। हमारी नजरें उसपर बनी हुई हैं। मयंक ने आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ शानदार गेंदबाज की थी। उनकी 155 किमी की तूफानी रफ्तार से सभी हैरान थे। ये आईपीएल में अब तक की सबसे तेज गेंदबाजी है।

मयंक यादव ने अपने पहले ही आईपीएल में 155 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी का रिकार्ड बनाया। वह इसी गति से लगातार गेंदबाजी करते रहे। मयंक आईपीएल इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज हैं जिनहें अपने शुरुआती दोनों मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला पर इसके बाद वह इस सफलता को बरकरार नहीं रख पाये। अपने तीसरे मैच में वह केवल एक ओवर ही गेंदबाजी कर सके और चोटिल होकर बाहर हो गये।

# बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान कराची की जगह रावलपिंडी में खेलेगा दूसरा टेस्ट : पीसीबी



**लाहौर ।(एजेंसी)।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को नेशनल स्टेडियम में चल रहे नवीनीकरण कार्य के कारण बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट को कराची से रावलपिंडी में स्थानांतरित करने का फैसला किया। यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से बातचीत के बाद लिया गया है। पहला टेस्ट 21 अगस्त से रावलपिंडी में खेला जाना है। पीसीबी ने पहले कहा था कि दूसरे टेस्ट मैच (30 अगस्त से तीन सितंबर) को कराची में खाली स्टेडियम में खेला जायेगा।

पाकिस्तान अगले साल आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा और इसी के मद्देनजर कराची स्थित नेशनल स्टेडियम का नवीनीकरण किया जा रहा है। पीसीबी की ओर से जारी बयान के मुताबिक, '' हमारे निर्माण विशेषज्ञों ने हमें आयोजन स्थल की तैयारी के लिए समय-सीमा के बारे में अवगत कराया। उन्होंने सलाह दी कि मैच के दौरान निर्माण जारी रह सकता है और इसके शोर से खिलाड़ियों को परेशानी हो सकती है।'' उन्होंने कहा, '' इसके साथ ही निर्माण कार्य से निकलने वाली धूल खिलाड़ियों, अधिकारियों, प्रसारकों और मीडिया के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकती है।

# रोहित और विराट में अभी काफी क्रिकेट बाकि : हरभजन



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रोहित शर्मा और विराट कोहली के टी20 से संन्यास के बाद ये सवाल उठ रहा है कि ये दोनो कब तक अन्य प्रारुपों में खेलते रहेंगे। इसी को लेकर दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि विराट और रोहित में बहुत क्रिकेट बाकी है, अगर ये फिट है और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तो खेलते रहेंगे। साथ ही कहा कि अगर टीम जीत रही है, तो उन्हें खेलना जारी रखना चाहिए। इसके बाद अंत में फैसला इनको ही करना है। उन्होंने कहा कि जहां तक रोहित की बात है वह अभी बड़े आराम से दो साल और खेल सकते हैं जबकि विराट इतने फिट हैं कि वह चाहें तो अगले पांच साल तक खेल सकते हैं। वह टीम में सबसे अधिक फिट हैं। हरभजन ने कहा, 'आप विराट से फिटनेस पर प्रतिस्पर्धा करने वाले किसी भी युवा वर्षीय खिलाड़ी से पूछिए। विराट उसे पीछे छोड़ देंगे। वह इतने फिट हैं। मुझे भरोसा है कि विराट और रोहित में बहुत क्रिकेट बाकी है और इसके बाद फैसला इनको करना है। अगर ये फिट है और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तो खेलते रहेंगे।

वहीं टेस्ट क्रिकेट को लेकर बात करते हुए हरभजन सिंह ने कहा, 'इसमें आपको वास्तव में इन दो लोगों की जरूरत है। लोग जितना कह रहे हैं उससे थोड़ा अधिक खेलें। आपको सभी फॉर्मेट में अनुभव चाहिए चाहे वह सीमित ओवरों का क्रिकेट हो या टेस्ट क्रिकेट। आपको आने वाली प्रतिभाओं को सही दिशा देने के लिए अनुभवी खिलाड़ी चाहिए होते हैं। इसके साथ ही चयनकर्ताओं को इस बार का ध्यान रखना चाहिए कि अगर कोई अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है तो उसे बाहर कर देना चाहिए. भले वह सीनियर क्यों न हो पर अगर वह अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और फिट है तो उसे टीम में बनाये रखना चाहिये। . लेकिन जब तक सभी फिट हैं, तो उन्हें टीम में सिलेक्ट किया जाना चाहिए।

# केशव महाराज दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर बने, टेफील्ड का 64 साल पुराना रिकार्ड तोड़ा

गयाना। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। केशव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की इस सीरीज में कुल 13 विकेट लिए। इसी के साथ ही केशव अपने देश के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर बन गए हैं। केशव ने इसी के साथ ही दिग्गज ह्यूग टेफील्ड का 64 साल पुराना रिकार्ड भी तोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनरों में अब केशव 171 विकेट के साथ ही नंबर एक पर पहुंच गये हहैं। उन्होंने यह विकेट 52 मैचों में 30.78 के औसत और 58.9 के स्ट्राइक रेट के साथ लिए हैं। वहीं 1949 से 1960 तक दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेलने वाले ह्यूग टेफील्ड ने अपने टेस्ट करियर में 170 विकेट लिए हैं। इस प्रकार छह दशक के बाद उनका रिकार्ड टूटा है। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज पॉल एडम्स हैं एडम्स के नाम 134 विकेट हैं।

# निशानेबाजी महासंघ की चयन नीति पर कोच जसपाल राणा ने सवाल उठाये

नई दिल्ली ।दिग्गज निशानेबाजी कोच जसपाल राणा ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की चयन नीतियों की आलोचना की है। राणा ने कहा कि अंतिम समय में चयन में बदलाव करने की महासंघ की नीति से पहले भी कई प्रतिभाओं को नुकसान हुआ है और अगर यही चलता रहा तो आगे भी होगा। राणा ने कहा, 'महासंघ की चयन नीति हर छह महीने में बदलती है। मैंने खेल मंत्री से मुलाकात करके इस पर चिन्ता भी जतायी है। अब उन्हें इस मामले में फैसला लेना है। अगर सभी कुछ ठीक रहा तो निशानेबाजों के प्रदर्शन में फर्क नजर आने लगेगा। उन्होंने कहा कि गलत नीतियों के चलते ही टोक्यो ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में जगह बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी सौरभ चौधरी और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज जीतू राय गुमनामी में चले गये। आज कोई इनके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है। इसके अलावा पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे निशानेबाज अर्जुन बाबुता के बारे में भी किसी के पास बात करने का समय नहीं है। महासंघ ने रियो ओलंपिक के बाद टोक्यो ओलंपिक में भी पदक नहीं जीतने के बाद 2021 में अपने चयन मानदंडों में बदलाव करते हुए कोटा हासिल करने वाले निशानेबाजों को मिलने वाले बोनस अंकों में भारी कटौती की और लंबे अंतराल के बाद टीम के चयन के लिए ट्रायल्स की शुरुआत की।

# आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के मालिकों में हिस्सेदारी को लेकर विवाद

मुम्बई ।आईपीएल फेंचाइजी पंजाब किंग्स के मालिकों में हिस्सेदारी के बंटवारे को लेकर विवाद जारी है। पंजाब किंग्स की टीम में कुल चार शेयर धारक हैं। प्रीति जिंटा , नेस वाडिया, मोहित बर्मन और करण पॉल हैं। ऐसे में मामला और उलझा हुआ है। इस मामले में एक हिस्सेदार प्रीति जिंटा ने तो अदालत का तक रुख तक किया है। प्रीति जिंटा के पास केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड के जरिये पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी में 23 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं मोहित डाबर इंडिया के चेयरपर्सन हैं। मोहित बर्मन पंजाब किंग्स में सबसे बड़े शेयर धारक हैं। उनके पास पंजाब किंग्स की 48 फीसदी की हिस्सेदारी है, जबकि प्रीति जिंटा और नेस वाडिया के पास 23-23 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके बाद का हिस्सा करण पॉल के पास है। टीम में सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले मोहित टीम में अपने शेयरों का एक हिस्सा किसी अन्य को बेचना चाह रहे हैं। इसी को रोकने के लिए प्रीति अदालत पहुंची हैं। वहीं दूसरी ओर मोहित की ओर से कहा गया है उनकी शेयर बेचने की कोई योजना नहीं है।

# हमारी लड़ाई जारी रहेगी, सच्चाई की जीत होगी: विनेश फोगाट

**नई दिल्ली (एजेंसी )।** पेरिस ओलंपिक से स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत से अभिभूत पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि भारतीय कुश्ती की बेहतरी के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी और सच्चाई की जीत होगी। ओलंपिक में 50 किग्रा फाइनल में पहुंचने के बाद अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित की गईं विनेश का शनिवार को यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। विनेश ने अपनी अयोग्यता के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी लेकिन उसके तदर्थ प्रभाग ने उसे खारिज कर दिया था।

विनेश ने अपने प्रशंसकों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। लड़ाई जारी रहेगी और मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि सच्चाई की जीत होगी।' विनेश और उनके साथी ओलंपियन बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) और उसके पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक साल से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विनेश सहित छह पहलवान पिछले साल डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे थे।

विनेश ने यह भी कहा कि उनका जिस तरह से शानदार स्वागत किया गया उससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। इस 29 वर्षीय पहलवान ने कहा, 'मुझे अपने देशवासियों, मेरे गांव और परिवार के सदस्यों से जो प्यार मिला उससे मुझे इस झटके से उबरने में मदद मिलेगी। मैं वापस कुश्ती में लौट सकती हूं।' उन्होंने कहा, 'ओलंपिक पदक से चूकना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा झटका है। मैं नहीं जानती कि मुझे इससे उबरने में कितना समय लगेगा। मैं नहीं जानती कि मैं कुश्ती में वापसी करूंगी या नहीं लेकिन आज मुझे जो साहस मिला है उसका मैं सही दिशा में इस्तेमाल करना चाहती हूं।'

# इस बार पैरालंपिक खेलों में नजर नहीं आयेंगे बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत

नई दिल्ली। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत अब अगले डेढ़ साल तक खेल कोर्ट में नजर नहीं आयेंगे। इसका कारण है कि भगत पिछले दिनो ही डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने के कारण निलंबित कर दिये गये थे। इससे वह पेरिस पैरालंपिक खेलों में भी नहीं दिखेंगे। भगत टोक्यो पैरालंपिक खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। ऐसे में उनकी कमी भारतीय दल को खलेगी। भगत को निलंबित इसलिए किया गया है क्योंकि गत 12 महीनों में तीन अवसरों पर अन्होंने अपना ठिकाना नहीं बताया था। इसी का विश्व बैडमिंटन संघ ने उनपर नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। बीडब्ल्यूएफ ने एक बयान में कहा, बैडमिंटन विश्व महासंघ इसकी पुष्टि करता है कि भारत के टोक्यो 2020 पैरालम्पिक चैम्पियन प्रमोद भगत को 18 महीने के लिए निलंबित किया गया है और वह पेरिस पैरालम्पिक नहीं खेलेंगे। वहीं खेल पंचाट (सीएएस) डोपिंग निरोधक प्रभाग ने भी भगत को बीडब्ल्यूएफ के डोपिंग निरोधक नियम के उल्लंघन का दोषी पाया। इस मामले में इस खिलाड़ी ने इस फैसले के खिलाफ अपील की थी जो पिछले माह ही खारिज हो गई थी। ऐसे में खेल पंचाट के डोपिंग निरोधक प्रभाग के उनका निलंबन प्रभावी कर दिया जिससे अब वह एक सितंबर 2025 तक किसी भी मुकाबले में शामिल नहीं हो पायेंगे।

# स्मिथ को इस बार आईपीएल में अवसर मिलने की उम्मीद

**-नीलामी में देंगे अपना नाम**

**सिडनी (एजेंसी )।** ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में अपने अच्छे प्रदर्शन से खुश हैं और उन्हें उम्मीद है कि इस आधार पर उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में अवसर मिल सकता है। स्मिथ को टी20 विश्व कप के बाद स्कॉटलैंड एवं इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था।

एमएलसी में स्मिथ के शानदार प्रदर्शन से वाशिंगटन फ्रीडम को पहली बार लीग खिताब मिला। स्मिथ ने इस लीग में 49.00 की औसत और 154.74 के स्ट्राइक रेट से 294 रन बनाये। वह अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। स्मिथ ने फाइनल में भी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न के खिलाफ 52 गेंदों में तेजी से 88 रन बनाये थे।

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न में पैट कमिंस और हारिस रउफ जैसे तेज गेंदबाज शामिल थे। स्मिथ ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से आईपीएल में एक और अवसर चाहूंगा। मैं अपना नाम खिलाड़ियों की नीलामी में शामिल करूंगा। देखते है कि मुझे आगे बढ़ने का कितना अवसर मिलता है। उन्होंने कहा, 'मुझे हाल में टी20 क्रिकेट और फ्रेंचाइजी में जो भी अवसर मिले हैं, मैंने काफी अच्छा खेला है। ऐसे में मैं आईपीएल में अपना नाम शामिल कर इसका आनंद उठाना चाहूंगा।

स्मिथ को पिछली दो नीलामी में किसी ने भी नहीं खरीदा था। ऐसे में वह 2021 से आईपीएल का मे नहीं खेल पाये हैं। इस बल्लेबाज का कहना है कि वह इससे निराश नहीं हुए और उनका ध्यान अपने खेल पर रहा है। टी20 टीम में जगह नहीं मिलने पर उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टी20 की बात करूं तो मुझे नहीं पता वहां चयनकर्ता के बीच क्या चल रहा है। उनके पास कुछ अच्छे विकल्प है और वे उसे आजमाना चाहते है। मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। स्मिथ ने कहा, 'मैं समझता हूं कि वे विश्व कप को ध्यान में रख कर ऐसे खिलाड़ियों को वरीयता ह दे रहे हैं जो सहजता से बड़े शॉट लगा सकें। इसलिए मैं इन बातों से परेशान नहीं हूं।

# अकरम बोले, बाबर अच्छे बल्लेबाज पर अभी विश्व क्रिकेट के किंग हैं विराट

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा है कि बाबर आजम काफी अच्छे बल्लेबाज हैं पर आज के समय में विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली ही हैं। अकरम ने कहा कि लोग चाहे कुछ भी कहें विश्व क्रिकेट का असली किंग विराट ही हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, देखिए कोहली किंग हैं। इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिये। वहीं जहां तक बाबर की बात की जाए तो उसे अभी काफी आगे जाना है। कोहली के बराबर आने के लिए बाबर को लगातार अच्छा खेलना होगा और सबसे बड़ी बात कि बड़ी टीमों के खिलाफ जमकर रन बनानें होंगे।

उन्होंने साथ ही कहा, हमें इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ बड़ी सीरीज खेलनी होगी। 5-5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी होगी जैसी भारत खेलता है। तभी बाबर विश्व क्रिकेट के शीर्ष पर पहुंचा सकते हैं। वहीं जिस प्रकार पाक टीम छोटी टीमों के खिलाफ ज्यादा खेल रहे हैं उससे बाबर शीर्ष पर नहीं जा सकते।

उन्होंने कहा, देखिए बाबर शीर्ष पर जाने की राह पर है। इसमें कोई शक नहीं है पर विराट वहां पहुंच चुका है ।वहीं जब अकरम से पूछा गया कि क्या बाबर कभी कोहली और सचिन तेंदुलकर के स्तर पर पहुंच सकते है।. इस पर वसीम ने कहा, हां जरूर पहुंच सकता है वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं और काफी मेहनत कर रहा है पर पाक को सबसे पहले बड़ी टीमों के साथ मुकाबले करने होंगे। उसे ऑस्ट्रेलिया- इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के दौरे पर जाना होगा और वहां बाबर को बेहतर पदर्शन कर अपने को साबित करना होगा। तभी वह किंग बन पायेंगे।

# रिंकू सिंह का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल पूरा, लिखा खास संदेश

**नई दिल्ली (एजेंसी )।** भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह ने 18 अगस्त रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल पूरा किया। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने पिछले साल विदेशी दौरे में आयरलैंड के खिलाफ भारत के लिए अपना टी20 डेब्यू किया था और तब से राष्ट्रीय टीम के साथ उनका समय शानदार रहा है। उन्होंने टी20 विश्व कप 2024 में कोई मैच नहीं खेला, लेकिन रिंकू सिंह हमेशा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपने बल्ले से धमाल मचाते रहे हैं। एक साल पूरा करने के अवसर पर रिंकू ने अपने इंस्टाग्राम चैनल पर एक भावपूर्ण संदेश पोस्ट किया।

रिंकू का सफर उनके घरेलू क्रिकेट करियर से शुरू हुआ, जहां उन्होंने अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 सहित विभिन्न स्तरों पर उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने मार्च 2014 में उत्तर प्रदेश के लिए लिस्ट ए में पदार्पण किया और 2016-17 रणजी ट्रॉफी में अपना प्रथम श्रेणी पदार्पण किया। घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जगह दिलाई, जहां उन्हें 2017 में किंग्स इलेवन पंजाब और बाद में 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने खरीदा।

आईपीएल में रिंकू को शुरुआत में अपनी जगह बनाने में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपना ज़्यादातर समय बाहर बैठकर बिताया। हालांकि 2022 के सीजन में उनकी किस्मत बदल गई, जहां उन्होंने सात मैचों में 34.80 की औसत और 148.72 की स्ट्राइक रेट से 174 रन बनाए। इस प्रदर्शन ने केकेआर के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का ध्यान खींचा जिन्होंने रिंकू की अविश्वसनीय कहानी की प्रशंसा की और युवा खिलाड़ी की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की।

2023 का सीजन रिंकू के लिए गेम-चेंजर साबित हुआ। उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और 14 मैचों में 59.25 की औसत और 149.52 की स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाकर केकेआर के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। उनके शानदार फॉर्म ने उन्हें पहचान दिलाई और आखिरकार उन्हें भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल कर लिया गया। रिंकू ने 18 अगस्त, 2023 को आयरलैंड के खिलाफ ट्वेंटी-20 इंटरनेशनल में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। अपने दूसरे मैच में उन्होंने पारी की आखिरी गेंद पर आउट होने से पहले 38 रन बनाए। उन्होंने 23 नवंबर 2023 को विशाखापत्तनम में पहले टी20आई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 14 गेंदों पर 22 रन बनाकर प्रभावित करना जारी रखा।

नवंबर 2023 में रिंकू को दक्षिण अफ्रीका के दौरे के लिए भारत की टीम में शामिल किया गया। 12 दिसंबर 2023 को उन्होंने 68* के स्कोर के साथ टी20आई क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक बनाया। उन्होंने 19 दिसंबर, 2023 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया जिसमें उन्होंने 17 रन बनाए और रासी वैन डेर डूसन का विकेट लिया। दूसरे वनडे में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच जिताऊ पारी खेली। रिंकू का सबसे उल्लेखनीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन 17 जनवरी, 2024 को आया, जब उन्होंने और रोहित शर्मा ने 190* रन की साझेदारी की, जो टी20आई क्रिकेट में भारत की सबसे बड़ी रन साझेदारी और दुनिया में पांचवें विकेट के लिए सबसे बड़ी रन साझेदारी थी।

# जो दुबई में व्यापार करना चाहते हैं उन व्यापारियों के लिए निः शुल्क दुबई बिजनेस सेटअप सेमिनार का आयोजन किया गया






**सुरत भुमि, सूरत।**
आज के आधुनिक और कंप्यूटर युग में दुनिया के किसी भी कोने में बिजनेस करना आसान होता जा रहा है। जिसमें पूरी दुनिया में भारतीय लोग बिजनेस के लिए जाने जाते हैं और इसमें गुजरात और सूरत के लोग खासतौर पर नजर आते हैं। इसलिए दुबई सरकार ने रास-अल-खेमा आर्थिक क्षेत्र (राकेज-क्र्यर्श्व) ने सूरत के मंत्र जनरल ट्रेडिंग एलएलसी को अधिकृत रेफरल पार्टनर के रूप में नियुक्त किया है जिसका उद्देश्य भारतीयों को व्यापार करने के लिए दुबई आने में सक्षम बनाना है।

राकेज के अधिकृत रेफरल पार्टनर और मंत्र जनरल ट्रेडिंग एलएलसी के डायरेक्टर और सूरत के एक युवा व्यवसायी विकुंज आम्बलिया ने कहा, मैं और मेरा भाई जयेंद्रभाई पिछले 14 सालों से सूरत के कतारगाम में मंत्र एंटरप्राइज नामक इलेक्ट्रिक एलईडी लाइट निर्माण व्यवसाय में हैं। इसके साथ ही हम पिछले दस सालों से इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट बिजनेस से भी जुड़े हुए हैं और दुबई में ऑफिस भी है और देश-विदेश में इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट बिजनेस करते हैं। हमने कुछ दिन पहले सूरत में आयोजित यार्न एक्सपो में राकेज का स्टॉल लगाया था। जिसमें बड़ी संख्या में लोग राकेज स्टॉल पर पहुंचे थे। लोग इस बारे में अधिक विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकें, उनके दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, आज हमने एसपीबी हॉल, समृद्धि बिल्डिंग, चैंबर ऑफ कॉमर्स, नानपुरा, सूरत में इस सेमिनार का आयोजन किया था। इस सेमिनार में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। सेमिनार बिल्कुल नि:शुल्क आयोजित कीया गया था। मुस्तफा शेखर (राकेज़ के डायरेक्टर), स्फिर माथुर (राकेज़ के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी) और अभिजीत पंधारे (राकेज़ के अधिकारी) दुबई से एक वेबिनार के माध्यम से सेमिनार में शामिल हुए थे ।

सूरत के मंत्र जनरल ट्रेडिंग एलएलसी के सीईओ जयेंद्र आम्बलिया ने कहा, राकेज सरकार सूरत से उन लोगों को लाइसेंस, वीजा और लीज समझौते प्रदान करेगी जो दुबई में वाणिज्यिक, शैक्षिक, ई-कॉमर्स, सामान्य व्यापार, व्यक्तिगत / पेशेवर, औद्योगिक, मीडिया आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार करना चाहते हैं। दुबई के रस-अल-खेमा इकोनॉमी जोन (राकेज) सरकार के अधिकारि सूरत में आके दस्तावेज बनाएंगे। जिसमें व्यापारी बिना किसी प्रकार का एजेंट रखे राकेज सरकार से सीधे जुड़ सकेंगे। राकेज सरकार की ओर से व्यापारियों को को-वर्किंग स्पेस, वेयरहाउस, ऑफिस, जमीन, सिक्योरिटी आदि सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। ये सुविधाएं राकेज सरकार द्वारा तय किए गए 10 तरह के पैकेजों के आधार पर तय की जाएंगी।

इसके लिए अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए व्यापारी व्यक्तिगत रूप से मंत्र जनरल ट्रेडिंग एलएलसी (मंत्रा एंटरप्राइज), 149, स्मृति सोसाइटी, साई पेट्रोल पंप के पास, गजेरा सर्कल, कतारगाम, सूरत या 87582 78887 नंबर पर पर कॉल कर सकते हैं।

## अनियमित मानसून के दौरान फ्लू के बढ़ते खतरे के खिलाफ बच्चों के लिए फ्लू का टीकाकरण आवश्यक है: डॉ. केतन शाह



**सुरत भुमि, सूरत।**
मानसून गर्मी से राहत देता है, लेकिन मौसमी फ्लू के पनपने के लिए अनुकूल परिस्थितियां भी बनाता है। वर्तमान में, आर्द्रता और तापमान में गिरावट के कारण इस मौसम में फ्लू संक्रमण बढ़ रहा है, जिससे फ्लू वायरस के प्रसार को बढ़ावा मिल रहा है।

इस वर्ष के मानसून की अनिश्चितता से फ्लू संक्रमण का प्रसार बढ़ेगा। कुछ क्षेत्रों में सूखे जैसी स्थिति का सामना करने के साथ, वायु प्रदूषण भी बढ़ गया है, जिससे बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो गई है और वे फ्लू संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हो गए हैं। जलभराव वाले क्षेत्रों में फफूंद और फफूंद की वृद्धि हो सकती है, जो बच्चों के फेफड़ों को प्रभावित करती है और फ्लू का खतरा बढ़ाती है। भारी वर्षा और बाढ़ के कारण घरों और अन्य इनडोर स्थानों में भीड़भाड़ से भी जेडपी संक्रमण फैल सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर इन्फ्लूएंजा का प्रकोप हो सकता है।

बच्चों में, फ्लू पहले से मौजूद स्थितियों के कारण निमोनिया और अस्थमा जैसी जटिलताएँ भी पैदा कर सकता है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) की सलाह है कि, ऐसी गंभीर स्थिति से बचने के लिए, 6 महीने से 5 साल की उम्र के बच्चों को प्राथमिक इन्फ्लूएंजा टीकाकरण पूरा होने के बाद हर साल इन्फ्लूएंजा का टीका लगाया जाना चाहिए। क्योंकि यदि फ्लू होता है, तो टीकाकरण भी इसकी गंभीरता को कम करने में मदद कर सकता है।

डॉ। सूरत पीडियाट्रिक एसोसिएशन (2003) के पूर्व अध्यक्ष और केतन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, सूरत के सलाहकार बाल रोग विशेषज्ञ केतन शाह मानसून के दौरान स्वास्थ्य रखरखाव सावधानियों पर चर्चा करते हैं और कहते हैं, "हर साल मानसून के दौरान, बच्चों में फ्लू के मामलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। वार्षिक 4 इन 1 फ्लू का टीका निमोनिया और ब्रोंकाइटिस जैसी फ्लू की जटिलताओं से बचाता है, जिसका खतरा पांच साल से कम उम्र के बच्चों और अस्थमा और हृदय रोग वाले वयस्कों में अधिक होता है, जिनके फ्लू से बीमार होने की संभावना अधिक होती है। बच्चों का टीकाकरण करके, हम न केवल स्वास्थ्य बनाए रखते हैं, बल्कि हमारे समुदायों की समग्र भलाई में भी योगदान देते हैं।

फ्लू वायरस चार प्रकार के होते हैं, जो हर साल उत्परिवर्तित होते हैं और पिछले टीकाकरण द्वारा प्रदान की गई प्रतिरक्षा नए उपभेदों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने के लिए अपर्याप्त है। इसलिए हर साल फ़्लू वायरस के नए स्ट्रेन से बचाव के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मार्गदर्शन में फ़्लू वैक्सीन को फिर से तैयार करना पड़ता है। डब्ल्यूएचओ के वार्षिक टीकाकरण के साथ-साथ कुछ स्वच्छता प्रथाओं का भी पालन किया जाना चाहिए, जैसे बार-बार हाथ धोना और गंभीर फ्लू के मौसम में भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचना।

## अशोक टिबड़ेवाल अध्यक्ष एवं अजय अग्रवाल सचिव बने

अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन की दसवीं वार्षिक आम सभा का आयोजन रविवार को महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल परिसर, गाम नरथान किया गया। सभा की शुरुआत अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने अन्य ट्रस्टियों के साथ माँ सरस्वती एवं महाराजा अग्रसेन को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की एवं स्वागत भाषण दिया। सभा में सचिव अशोक टिबड़ेवाल द्वारा ट्रस्ट एवं महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई एवं सहकोषाध्यक्ष विनोद अग्रवाल द्वारा आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

आम सभा में अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन की 2024-26 के लिए नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अशोक टिबड़ेवाल को अध्यक्ष, सुभाष अग्रवाल को उपाध्यक्ष, अजय अग्रवाल को सचिव, विनोद अग्रवाल को कोषाध्यक्ष , राजीव गुप्ता को सहसचिव एवं नरेश गुप्ता को सहकोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद अध्यक्ष अशोक टिबड़ेवाल ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा संचालित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल का समुचित विकास करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी, उन्होंने आश्वासन दिया कि वे स्वयं और उनकी टीम महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल को सर्वोच्च स्तर पर ले जाने के लिये प्रतिबद्ध है। अंत में सभी ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी।

## अग्रवाल समाज अलथान के कार्यकारिणी चुनाव के परिणाम घोषित

**सुरत भुमि, सूरत।**
अग्रवाल समाज अलथान वेसू की कार्यकारिणी के दस सदस्यों के लिए चुनाव रविवार, 4 अगस्त को अलथान स्थित एसएमसी कम्यूनिटी हॉल में मतदान हुआ। कुछ प्रत्याशियों द्वारा पुन: मतगणना के लिए आवेदन किया गया। रविवार, 18 अगस्त को चुनाव अधिकारियों द्वारा डूमस स्थित अग्र एग्जॉटिका में पुन: मतगणना की गई एवं परिणाम घोषित किए गए।

चुनाव में राजकुमार गुप्ता, लक्ष्मीकांत नैनसुखा, प्रमोद चिरानियाँ, श्याम अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, अमित गौरीसरिया, महेंद्र अग्रवाल, विष्णु केडिया, महेंद्र कुमार अग्रवाल एवं कैलाशचंद अग्रवाल विजयी रहें।

चुनाव अधिकारियों ने बताया कि मतगणना सूरत पीपल्स बैंक के 13 कर्मचारी, ट्रस्ट के पदाधिकारियों, उम्मीदवारों के सामने की गई। इस मौके पर चुनाव अधिकारी पवन मुरारका, बजरंग अग्रवाल, प्रदीप चिरानियाँ के अलावा सुशील बजाज, पूरणमल अग्रवाल सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

## श्री लखदातार सेवा समिति की साधारण सभा; मुकेश गाड़ोदिया अध्यक्ष एवं पवन लीला सचिव बने




**सुरत भुमि, सूरत। श्री लखदातार सेवा समिति की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार को किया गया। सभा में समिति के कार्यों के बारे में बताया गया एवं नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से मुकेश गाड़ोदिया को अध्यक्ष, पवन लीला को सचिव, मुकेश जैन को कोषाध्यक्ष, कमल गुप्ता ( राधारमन ) को मीडिया प्रभारी बनाया गया। इसके अलावा पवन मुरारका एवं पवन केजरीवाल को समिति द्वारा आयोजित मासिक श्री श्याम अखण्ड ज्योत पाठ का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया। सभी ने एक दूसरे को बधाई दी।**

## एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट द्वारा 2 श्रीहरि मंदिर रथों का लोकार्पण




**सुरत भुमि, सूरत।**
एकल अभियान के अंतर्गत देश के वनवासी समाज का प्राथमिक शिक्षा एवं संस्कार के माध्यम से चौतरफा विकास करके उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा में शामिल करने को प्रयासरत एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट द्वारा दो नए मंदिर रथों का लोकार्पण रविवार को डूमस स्थित अग्र एग्जॉटिका में विधिपूर्वक वैदिक मंत्रोचार के साथ किया गया। ये रथ सूरत चैप्टर की ओर से ये 7वें और 8वें रथ थे और देश के 101 और 102वें रथ थे।

इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में दोनो रथों के दानदाता बालकिशन पोद्दार एवं डॉ किशोरभाई एवं कल्पनाबेन फरूटवाला को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य वक्ता एकल अभियान के मार्गदर्शक एवं प्रेरणा स्त्रोत श्याम जी गुप्त ने अपने संबोधन में गुजरात की धरती को नमन करते हुए देश की वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों में एकल श्रीहरि के महत्व को समझाया।

आयोजन में एकल श्रीहरि मुंबई से पधारे विनय सारडा एवं संगीता सारडा ने संगीतमय अंताक्षरी की मनमोहक प्रस्तुति दी।

एकल श्रीहरि के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने रथ के दानदाताओं का परिचय दिया, एकल श्रीहरि योजनाओं की जानकारी और आगामी लक्ष्यों की जानकारी प्रदान की। गुजरात प्रदेश अध्यक्ष रतनलाल दारूका ने उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया। इस मौके पर सूरत चेप्टर के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, मंत्री विश्वनाथ सिंघानिया, सहित क़रीबन तीन सौ से ज़्यादा लोग उपस्थित रहें। आयोजन में मंच का संचालन अंकुर बिजाका ने किया।

## सूरत जिले में डिजिटल फसल सर्वेक्षण की शुरुआत: अगले 45 दिनों तक जिले भर में किया जाएगा सर्वेक्षण

**सूरत।** सूरत जिला कृषि अधिकारी श्री सतीश गमीत ने पूरे राज्य के साथ सूरत जिले में डिजिटल फसल सर्वेक्षण का काम कामरेज तालुका के देलाड स्थित भैरव गांव से शुरू किया.

जिला कृषि पदाधिकारी सतीश गमीत ने बताया कि भारत सरकार की डिजिटल फसल सर्वेक्षण योजना के तहत अनुमानित 2.27 लाख सर्वेक्षण संख्या में फसल खेती का डिजिटल फसल सर्वेक्षण 45 दिनों में किया जायेगा. इससे पता चल जाएगा कि जिले में किस सर्वे नंबर पर कौन सी फसल लगाई गई है। भविष्य में बेमौसम बारिश या फसल का नुकसान होगा तो मीडिया के माध्यम से पता चल जायेगा. डिजिटल ऐप्स के माध्यम से कीटों और बीमारियों का पता लगाया जा सकता है।

इससे पहले राज्य में राजस्व विभाग द्वारा वाटर शीट सैंपल नं. 12 का निबंधन हुआ, जो पूरा नहीं हुआ. फसल सर्वेक्षण का डिजिटलीकरण करने के बाद अब शत-प्रतिशत जल तालिका नमूना नं. रजिस्ट्रेशन 12 को होगा। फलस्वरूप नमूना नं. 12वीं में फसल पंजीकरण को लेकर किसानों को अधिक लचीलापन मिलेगा। सूरत जिलों के कुल 762 गांवों में अनुमानित 2.27 लाख सर्वेक्षण संख्या में फसल की खेती के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा। इस सर्वेक्षण के लिए प्रत्येक गांव से एक व्यक्ति को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, जिन्हें एक फसल में सर्वेक्षण के लिए 10 रुपये और एक से अधिक फसल के लिए 12 रुपये प्रति वस्तु का भुगतान किया जाएगा।

**डिजिटल फसल सर्वेक्षण क्या है..?**

भारत सरकार द्वारा देश में फसल की खेती का वास्तविक समय डेटा प्राप्त करने के लिए एग्रीस्टैक एप्लिकेशन विकसित किया गया है। इस एप्लिकेशन के माध्यम से ही डिजिटल फसल सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण का कार्य ग्राम स्तर पर चयनित सर्वेक्षक द्वारा किया जायेगा, इसका अनुमोदन ग्राम के तलाटी द्वारा किया जायेगा तथा सर्वेक्षण का सत्यापन ग्राम सेवक द्वारा किया जायेगा। वृक्षारोपण का डिजिटल सर्वेक्षण वृक्षारोपण का वास्तविक समय डेटा सीधे भारत सरकार को प्रदान करेगा। जिसके माध्यम से फसल की खेती की स्थिति, फसल का नाम, सिंचाई का प्रकार आदि की जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

## टीएम पटेल इंटरनेशनल स्कूल में सूरत जिले के खिलाड़ियों का मैच आयोजित: 102 टीमों के बीच बास्केटबॉल की जंग





**सुरत भुमि, सूरत।**
सूरत जिला स्तरीय अंडर-14/17/19 लड़के और लड़कियों का बास्केटबॉल टूर्नामेंट हाल ही में टीएम पटेल इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया गया था। इस टूर्नामेंट में 102 टीमों ने भाग लिया, जिसमें सूरत शहर के डीपीएस, एस. डी। जैन, जी. डी। गोयनका, रिलायंस फाउंडेशन, टी. एम। पटेल इंटरनेशनल स्कूल, ब्रॉडवे इंटरनेशनल, स्वामीनारायण मिशन, पी.पी. सवानी, एल.पी. सवानी, लांसर आर्मी, हिल्स हाई, भगवान महावीर इंटरनेशनल स्कूल, गजेरा इंटरनेशनल स्कूल, माहेश्वरी विद्यापीठ, वनिता विश्राम, यूरो स्कूल और अन्य स्कूलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों के बीच शानदार बास्केटबॉल कौशल, मजबूत टीम वर्क और खेल कौशल का प्रदर्शन हुआ। इतनी बड़ी संख्या में स्कूलों की भागीदारी से पता चलता है कि सूरत के युवाओं में खेल के प्रति जुनून कितना बढ़ रहा है।

टी. एम. पटेल इंटरनेशनल स्कूल अपने छात्र के समग्र विकास के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल को महत्व देता है। इस टूर्नामेंट का आयोजन स्कूल के इस दृष्टिकोण को पुष्ट करता है, जो छात्रों को खेल और शैक्षणिक करियर में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत ( गुजरात ) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ ( गुजरात ) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, ( न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा )